राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार,23 अप्रैल–2023 वर्ष–6,अंक–88 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कांग्रेस में सचिन पायलट का सियासी भविष्य क्या होगा, कर्नाटक के नतीजे तय करेंगे

राजस्थान में सचिन पायलट के अनशन के बाद सियासी हालात तेजी से बदल रहे हैं। पायलट सख्त तेवर बनाए हुए हैं। फीडबैक कार्यक्रम से दूरी बनाकर पायलट ने साफ संकेत दे दिया है कि वह पीछे हटने को तैयार नहीं हैं।

जयपुर। राजस्थान में सचिन पायलट के अनशन के बाद सियासी हालात तेजी से बदलते जा रहे हैं। पायलट लगातार बगावती तेवर बनाए हुए हैं। फीडबैक कार्यक्रम से दूरी बनाकर पायलट ने साफ संकेत दे दिया है कि वह पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। दूसरी तरफ सीएम अशोक गहलोत ने दिल्ली पहुंचते ही संकेत दिया है कि विधानसभा चुनाव में पायलट समर्थकों के टिकट काटे जा सकते हैं। सीएम गहलोत ने पायलट को नसीहत देते हुए कहा कि ऐसा कोई काम न करें, जिससे सरकार का नुकसान हो। सबको साथ मिलकर काम करना चाहिए। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस आलाकमान पायलट के अनशन से काफी नाराज बताए जा रहे हैं। हालांकि, राहुल गांधी के हस्तक्षेप के बाद मामले के ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस में सचिन पायलट का सियासी भविष्य क्या होगा, कर्नाटक के नतीजे तय करेंगे।

कर्नाटक चुनाव से पहले किसी तरह का जोखिम नहीं

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि पार्टी आलाकमान कर्नाटक चुनाव से पहले किसी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहता है। कर्नाटक विधानसभा के चुनाव के बाद ही पायलट पर कोई निर्णय संभव है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के नतीजे ही सचिन पायलट का सियासी भविष्य तय करेंगे। पार्टी आलाकमान ने इस बार सचिन पायलट को कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल नहीं कर तेवर भी दिखा दिए है। राजस्थान से सिर्फ सीएम अशोक गहलोत को ही स्टार प्रचारक बनाया गया है। हालांकि, पार्टी ने पंजाब उप चुनाव के प्रचार की जिम्मेदारी सचिन पायलट को सौंपी है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि कांग्रेस आलाकमान इस बार पायलट के अनशन से नाराज बताया जा रहा है।

पायलट समर्थकों को तेवर बरकरार

दूसरी तरफ सचिन पायलट के समर्थक लगातार बगावती तेवर अपनाए हुए हैं। पायलट समर्थक माने जाने वाले मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने पार्टी आलाकमान को चुनौती देते हुए साफ कहा- किसी ने मां का दूध पीया है तो वो सचिन पायलट पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करके दिखाए। यदि ऐसा होता है तो छठी का दूध याद आ जाएगा। पायलट समर्थक माने जाने वाले विधायक वेदप्रकाश सोलंकी ने स्टार प्रचारक नहीं बनाए जाने पर इशारों ही इशारों में आलाकमान पर तंज कसा है। पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने गुढ़ा की चेतावनी पर कहा कि पार्टी आलाकमान सब देख रहा है। सचिन पायलट के बारे में निर्णय प्रभारी सुखजिंदर रंधावा, केसी वेणुगापोल और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को ही लेना है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि भले गहलोत कैंप के विधायक कर्नाटक चुनाव का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन पायलट पर निर्णय लेना आसान नहीं होगा। राजस्थान में चुनाव के लिए ज्यादा समय नहीं बचा है। ऐसे में पायलट की अनदेखी से पार्टी को सियासी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

ग्रेटर नोएडा में घर खरीदना और फैक्ट्री लगाना हुआ महंगा, अथॉरिटी ने 15 प्रतिशत तक बढ़ाए रेट, देखें नई दरें

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में घर खरीदना और उद्योग लगाना अब और भी महंगा हो गया है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने बोर्ड बैठक में शुक्रवार को 2023-24 के लिए संपत्तियों की नई आवंटन दरें तय कर दी हैं। औद्योगिक भूखंड, आईटी पार्क और डेटा सेंटर की दरों में 4.42 फीसदी की बढ़ोतरी की गई, जबकि आवासीय, वाणिज्यिक, बिल्डर और संस्थागत की दरों में 15 फीसदी तक का इजाफा हुआ है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की सीईओ ऋतु माहेश्वरी ने बताया कि निवेशक ग्रेटर नोएडा में आने को उत्सुक हैं। दर बढ़ाने से पहले बाजार दरों का सर्वे कराया गया। इसमें प्राधिकरण की आवंटन दरें कम पाई गईं। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए विभिन्न परिसंपत्तियों की आवंटन दरों में 4.42 फीसदी से लेकर 15 फीसदी तक का इजाफा किया गया है।

सेक्टर के हिसाब से बढ़ोतरी -उन्होंने बताया कि सेक्टर की कैटेगरी और प्लॉट साइज के हिसाब से दरों में वृद्धि की है। धार्मिक स्थल और दूध/सब्जी बूथ आदि की श्रेणीवार दरें निर्धारित की गई हैं। प्राधिकरण ने अभी केवल दर की जानकारी प्रतिशत में दी है। विस्तृत दर जल्द ही जारी की जाएगी।

परियोजनाओं की प्रगति जानी - चेयरमैन ने इस दौरान गंगाजल समेत ग्रेटर नोएडा की अहम परियोजनाओं की प्रोग्रेस रिपोर्ट भी देखी। उन्होंने सभी जगहों पर गंगाजल पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्राधिकरण की विगत बोर्ड बैठक में पास प्रस्तावों की अनुपालन रिपोर्ट को भी देखा।

मुंबई में हाई प्रोफाइल सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, भोजपुरी एक्ट्रेस गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस ने शुक्रवार को गोरेगांव के एक आलीशान होटल में एक सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। इस दौरान भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की एक अभिनेत्री को भी गिरफ्तार किया है। मुंबई पुलिस के मुताबिक, इस दौरान तीन मॉडल का भी रेस्क्यू किया गया है, जिन्हें देह व्यापारा में धकेला गया था। एक अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस प्रवर्तन प्रकोष्ठ की एक टीम ने देर शाम होटल के कमरे में छापा मारा। उन्होंने कहा कि भोजपुरी अभिनेत्री उन तीन मॉडलों के एजेंट के रूप में काम कर रही थी। उन्होंने यह भी कहा कि भोजपुरी फिल्मों में काम करने के अलावा, वह हिंदी, पंजाबी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में ओटीटी शो और गाने एल्बम में काम कर चुकी है। एक अधिकारी ने कहा, ÷प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी ने पीड़िता को एक ऐसे व्यक्ति से खरीदा था जो दूसरे राज्यों से महिलाओं की तस्करी में शामिल है।

अधिकारी ने कहा कि वेश्यालय चलाने वाली दो महिलाओं ने पीड़िता को देह व्यापार में धकेल दिया। बांगुर नगर पुलिस ने दोनों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और अनैतिक तस्करी रोकथाम अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

देशभर से हटेंगे टोल नाके? फास्टैग के बजाय अब GPS के जरिये टोल टैक्स वसूलने की तैयारी

नई दिल्ली। आने वाले दिनों में देशभर से टोल प्लाजा हट सकते हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय टोल वसूली के लिए नई तकनीक के इस्तेमाल की दिशा में आगे बढ़ रहा है। अगले कुछ महीनों के अंदर ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन सिस्टम और जीपीएस बेस्ड टोल कलेक्शन सिस्टम को लागू किया जाना है। इस बीच, नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) के विशेषज्ञों ने सुझाव दिया है कि टोल वसूली के लिए वाहनों में जीपीएस अनिवार्य करने की दिशा में कुछ कड़े प्रतिबंध लगाए जाने चाहिए। अगर संभव हो तो इसे वाहनों के इंश्योरेंस से जोड़ दिया जाए। यानी जीपीएस लगे होने पर ही वाहन का इंश्योरेंस होना चाहिए। दरअसल, वर्तमान में फास्टैग के जरिए टोल वसूली की जा रही है, लेकिन

जीपीएस और ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन सिस्टम के जरिए टोल वसूली शुरू होने पर सभी टोल नाकों को हटाना होगा। एनएचएआई का मानना है कि देश में बड़ी संख्या में लोग टोल से बचने के लिए गाड़ी में जीपीएस नहीं लगाएंगे या फिर नंबर प्लेट को किसी कपड़े या कागज से कवर कर लेंगे। इसी तरह से कई हेराफेरी करके टोल से बचना चाहेंगे। ऐसी स्थिति के अंदर चाहिए कि जब नए सिस्टम के जरिए टोल वसूली शुरू हो तो उसके लिए पुख्ता इंतजाम किया जाएं। हर वाहन में जीपीएस लगे, उसके लिए इंश्योरेंस की अनिवार्य शर्तों में जीपीएस को जोड़ दिया जाए। अगर किसी वाहन में जीपीएस नहीं है और वो सक्रिय नहीं है तो उसका इंश्योरेंस न किया जाए। अगर कोई व्यक्ति वाहन से जुड़े वॉलेट में टोल के हिसाब से पर्याप्त बैलेंस नहीं रखता है तो उसके लिए भी जुर्माना लगाने की व्यवस्था की जाए।

समय बचाने की कवायद- मंत्रालय चाहता है कि उसके सभी नेशनल हाईवे और एक्सप्रेसवे पर टोल प्लाजा के चलते लोगों को सफर में देरी न हो। अभी फास्टैग के जरिए टोल वसूली होने से टोल पर लगने वाले समय में कमी आई है।

समलैंगिक विवाह पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को होने वाली सुनवाई रद

सामने आई यह बड़ी वजह

नई दिल्ली। समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने की मांग संबंधी याचिकाओं पर संविधान पीठ में सोमवार को निर्धारित सुनवाई रद हो गई है। शुक्रवार देर रात जारी बयान में बताया गया कि जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस एस. रविंद्र भट की अनुपलब्धता की वजह से सोमवार को उक्त संविधान पीठ में सुनवाई नहीं हो सकेगी। दोनों ही न्यायाधीश उस संविधान पीठ का हिस्सा हैं, जो समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने की मांग संबंधी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। इस पीठ में इन दोनों न्यायाधीशों के अलावा प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस पीएस नरसिम्हा शामिल हैं।

'अन्य मामलों के लिए हम 9:30 बजे बैठ सकते हैं'-इससे पहले दिन में जस्टिस चंद्रचूड़ ने संकेत दिए थे कि उनकी अध्यक्षता वाली शीर्ष

अदालत की पीठ सोमवार को एक घंटे पहले कार्यवाही शुरू करेगी। जस्टिस नरसिम्हा के साथ पीठ में बैठे जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा था, 'हम थोड़ा जल्दी बैठेंगे, ताकि हम कुछ तात्कालिक मामलों को सुन सकें। संविधान पीठ को 10.30 बजे बैठना है। इसलिए अन्य मामलों के लिए हम 9.30 बजे बैठ सकते हैं।'

दिल्ली से यूपी बिहार तक बारिश के आसार, मिल सकती है गर्मी से राहत; इन राज्यों में लू का सितम

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में तपतपाती गर्मी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अपनी ताजा रिपोर्ट में बताया है कि रविवार तक पूर्वी भारत के कुछ राज्यों में अगलग-अलग जगहों पर बारिश होगी। इससेलोगों को गंभीर से कुछ राहत मिल सकती है। वहीं, उत्तरी और मध्य मैदानी इलाकों में अधिकतम तापमान के 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। आईएमडी ने अगले तीन दिनों में पूर्वोत्तर में व्यापक वर्षा और पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और ओडिशा के अलग-अलग इलाकों में वर्षा होने की संभावना जतायी है। वहीं, राष्ट्रीय राजधानी यानी दिल्ली-एनसीआर में शनिवार को

आंशिक रूप से बादल छाए रहने और अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान जताया है। आईएमडी ने कहा कि मध्य उत्तर प्रदेश के ऊपर एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बनने और बंगाल की खाड़ी से नमी आने के कारण अधिकतम तापमान में पांच डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आने की संभावना है। आपको यह भी बता दें कि शुक्रवार को हल्की बारिश का पूर्वानुमान होने के बावजूद दिल्ली में बारिश नहीं हुई।

महाराष्ट्र में भी लू

आईएमडी के अनुसार, मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई और महाराष्ट्र के कुछ अन्य हिस्से पिछले कुछ दिनों से लू की स्थिति का सामना कर रहे हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में, मुंबई का अधिकतम तापमान 38.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया था, जबकि नवी मुंबई में अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

बंगाल में भी गर्मी का सितम

वहीं, पश्चिम बंगाल में पिछले 10 दिनों से लू की स्थिति बनी हुई है। बांकुड़ा जैसे जिलों में नदियों का जलस्तर नीचे चला गया है, जहां इस सप्ताह अधिकतम तापमान 44.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बांकुड़ा के बाद बृहस्पतिवार को पानागढ़ वायुसेना स्टेशन का अधिकतम तापमान 43.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने से शुक्रवार को राज्य के कुछ हिस्सों में तापमान में गिरावट आई। कोलकाता में अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस और पड़ोसी साल्ट लेक में 39.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सरकारी कर्मचारी को डबल ओवरटाइम नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने पलटा बॉम्बे हाईकोर्ट का फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में कहा है कि यदि सेवा नियम में प्रावधान नहीं है तो सरकारी कर्मचारी फैक्ट्री एक्ट के तहत डबल ओवरटाइम भत्ते का दावा नहीं कर सकते। जस्टिस वी. सुब्रहमण्यम और पंकज मिथल की बेंच ने यह फैसला देते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट का फैसला निरस्त कर दिया। साथ ही राज्य की उस अपील को स्वीकार कर लिया, जिसमें कहा गया था कि कर्मचारी फैक्ट्री एक्ट के तहत डबल ओवरटाइम के लाभ के लिए पूरी तरह से अधिकृत है।

सरकारी कर्मचारी कई विशेष लाभों का आनंद लेता है - बेंच ने कहा कि राज्य या केंद्र सरकार में सिविल पदों या सिविल सेवा में नियुक्ति एक स्टेटस का मामला है। यह ऐसा रोजगार नहीं है, जो सेवा अनुबंध और श्रमिक कल्याण कानूनों से संचालित हो। बेंच ने कहा कि सरकारी कर्मचारी कई विशेष लाभों जैसे आवधिक वेतन संशोधन के प्रावधान आदि का आनंद लेते हैं, जो फैक्ट्री एक्ट के दायरे में आने वाले श्रमिकों को नहीं मिलते। ऐसे में सरकारी कर्मचारियों के दावों की जांच करने की आवश्यकता है कि कहीं वे दोनों लाभ तो हासिल नहीं करना चाहते।

अदालत ने कहा कि सरकारी कर्मचारी हमेशा सरकार के अधीन रहते हैं। यह कहने

की आवश्यकता नहीं है कि किसी भी व्यक्ति द्वारा किसी भी लाभ का दावा नहीं किया जा सकता है। वास्तव में प्रतिवादियों के लिए डबल ओवरटाइम भत्ते के भुगतान की मांग करने की कोई गुंजाइश नहीं थी।

सप्ताहिक अवकाश धारा-52 के तहत-सिविल पदों पर नहीं होने वाले कर्मचारी फैक्ट्री एक्ट (धारा-51) से संचालित होते हैं, जिन्हें निश्चित सीमाओं के अंदर साप्ताहिक घंटों में हफ्ते में छह दिन काम करना पड़ता है। साप्ताहिक अवकाश धारा-52 के तहत दिया जाता है। रोजाना काम के घंटे धारा-34 में उल्लेखित हैं। फैक्ट्री एक्ट के कर्मियों का वेतन एक अवधि के बाद स्वत- संशोधित नहीं किया जाता, जैसा कि सरकारी सेवा में वेतन आयोग होता है।

कर्मचारियों की मांग सेवा नियमों पर आधारित नहीं-बेंच ने आगे कहा कि फैक्ट्री एक्ट के तहत उद्योगों में लगे कर्मियों के विपरीत सरकारी कर्मियों को हर समय अपने आप को सरकार की सेवा में लगाए रहना है। वे इसके लिए ओवरटाइम नहीं मांग सकते। ऐसे में याचिकाकर्ताओं को डबल ओवरटाइम की मांग करने की कोई गुंजाइश नहीं है। यहां सरकारी कर्मियों की मांग सेवा नियमों पर आधारित नहीं, बल्कि फैक्ट्री एक्ट की धारा-59 के तहत है। चूंकि सरकारी सेवा नियम ओवरटाइम का प्रावधान नहीं करते, इसलिए उनका दावा स्वीकार करने योग्य नहीं है।

सरकारी व निजी सेवा का फर्क समझाने में विफल-सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि श्रम पंचाट और हाईकोर्ट यह समझने में विफल रहे हैं कि सरकारी और निजी सेवा में क्या फर्क है। अपील स्वीकार करते हुए कोर्ट ने कहा, जो कर्मचारी रिटायर हो गए हैं या मृत हो गए हैं, उनसे भुगतान कर दिए ओवरटाइम की रिकवरी नहीं की जाए।

क्या है मामला?

मामला सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (वित्त मंत्राल के तहत बनी कंपनी, जो करेंसी नोट छापती है) के कर्मियों का था। उन्होंने फैक्टरी एक्ट, 1948 के तहत दोहरे ओवरटाम भत्ते की मांग की थी। इस मांग को श्रम न्यायाधिकरण और बॉम्बे हाईकोर्ट ने स्वीकार कर लिया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

ट्विटर पर बाजार

सत्ता वर्ग में सबसे प्रभावी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर ने अंतत- मुफ्त ब्लू टिक निशान को इतिहास बना ही दिया। अभी तक लोगों के आधिकारिक हैंडल या पहचान के साथ एक ब्लू टिक का निशान बना दिखता था, इससे फौरन यह अंदाजा हो जाता था कि यह शख्स या संस्था सत्यापित है। ब्लू टिक का यह निशान आमतौर पर सत्यापन की एक प्रक्रिया से गुजरने के बाद हासिल हो जाता था, पर अब इसके लिए पैसे चुकाने पड़ रहे हैं। वैसे तो एक अप्रैल से ही मुफ्त ब्लू टिक खतरे में था और उस पर 20 अप्रैल को गाज गिरी है। महानायक अमिताभ बच्चन से लेकर भारत रत्न सचिन तेंदुलकर तक अनगिन भारतीय हस्तियों से सत्यापन निशान छिन गया है। ब्लू टिक का मोह भी ऐसा कि अमिताभ बच्चन भी पैसे देने के बाद ब्लू टिक के लिए ट्विटर पर गुहार लगाते देखे गए। दरअसल, जिन लोगों ने 20 अप्रैल से पहले तक ब्लू टिक के लिए यथोचित भुगतान कर दिया था, उनके पास ब्लू टिक बचा हुआ है, लेकिन जो लोग मुफ्त की उम्मीद में टिके हुए थे, उन्हें झटका लगा है। इस माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म के मालिक एलन मस्क ने शुरू में ही एलान कर दिया था कि मुफ्त में कुछ नहीं मिलेगा। यह बात सही है कि दुनिया की बड़ी-बड़ी हस्तियों और कंपनियों ने मुफ्त में ही इस मंच का भरपूर इस्तेमाल किया है और इससे उनकी ख्याति व संपदा में भी वृद्धि हुई है। ऐसे में, ट्विटर का यह कदम व्यावसायिक नजरिये से गलत नहीं है, पर क्या नैतिकता का यही तकाजा है कि जो पैसे का भुगतान करे, उसे ही सत्यापित माना जाए? सत्यापन की अगर बिक्री हो सकती है, तो फर्जी या धोखेबाज भी तो पैसे से सत्यापन या उससे जुड़ा सम्मान हासिल कर सकते हैं? अब पैसा ही अधिकारिता तय करेगा? अगर ब्लू टिक धारी कोई व्यक्ति इस मंच के जरिये किसी अपराध को अंजाम देता है, तो क्या ठीकरा ट्विटर के माथे भी नहीं फूटना चाहिए? अब ट्विटर के लिए यह एक बड़ी चुनौती होगी कि वह फर्जी लोगों को ब्लू टिक न बेचे और शख्स या संस्था के सही या आधिकारिक होने की पुख्ता जांच कर ले। अब बात ब्लू टिक के लिए भुगतान की, कंप्यूटर या वेब पर ट्विटर का इस्तेमाल करने वालों को हर महीने 650 रुपये और मोबाइल पर इस्तेमाल के लिए 900 रुपये मासिक चुकाने पड़ेंगे। वास्तव में, यह राशि भारत के हिसाब से ज्यादा है। अमेरिका में इस ब्लू टिक के लिए आठ डॉलर चुकाने पड़ रहे हैं, मतलब अमेरिका और भारत के लिए भुगतान लगभग समान है। मस्क शायद भूल गए हैं कि भारत के लोग अमेरिकियों जितने अमीर नहीं हैं। अमेरिका में जिस ब्रेड की कीमत 207 रुपये है, वह भारत में 50 रुपये में उपलब्ध है। भारत जैसे विकासशील देश में ब्लू टिक की मासिक कीमत 200 रुपये से ज्यादा होनी नहीं चाहिए। हर जगह बाजार को कैसे रोका जाए, पर कंपनियों को सामान्य तर्क बुद्धि से तो काम लेना चाहिए। लोगों को सोशल मीडिया की लत लगाने के बाद शुल्क वसूली की यह तो शुरुआत है। खुद मस्क अभी ब्लू टिक के लिए ज्यादा वसूलने की तैयारी में हैं, मतलब, आने वाले दौर में आम लोगों के बजाय पैसे वाले मजबूत होते जाएंगे, क्योंकि पैसे से ही सोशल मंच पर ज्यादा हक हासिल होंगे। चीन में तो ट्विटर प्रतिबंधित है, पर भारत आईटी हब होने के बावजूद अपना कोई मंच विकसित नहीं कर पाया है, तो जरूरत से ज्यादा भुगतान से बचने के क्या उपाय हैं? हमें जरूर सोचना चाहिए।

आज का राशीफल

मेष गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप की संभावना है।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। दूसरों से सहयोग लेने में सफल रहेंगे।ड्ड

तुला शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अपनों का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। व्यर्थ की भागदौड़ होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक उन्नति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खान-पान संयम रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा।

मीन जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस

(लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस हर साल 23 अप्रैल को यह दिवस मनाया जाता है। इसे विश्व पुस्तक दिवस, किताबों का अंतरराष्ट्रीय दिवस और विश्व पुस्तक और प्रकाशनाधिकार दिवस भी कहा जाता है। इंसान के बचपन से स्कूल से आरंभ हुई पढ़ाई जीवन के अंत तक चलती है। लेकिन अब कम्प्यूटर और इंटरनेट के प्रति बढ़ती दिलचस्पी के कारण पुस्तकों से लोगों की दूरी बढ़ती जा रही है। यही कारण है कि लोगों और किताबों के बीच की दूरी को खत्म करने के लिए यूनेस्को ने 23 अप्रैल को विश्व पुस्तक दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। यूनेस्को के निर्णय के बाद से पूरे विश्व में इस दिन विश्व पुस्तक दिवस मनाया जाता है। लोगों और किताबों के बीच की दूरी को खत्म करने के लिए यूनेस्को ने हर साल 23 अप्रैल को विश्व पुस्तक दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। यूनेस्को के निर्णय के बाद से पूरे विश्व में इस दिन विश्व पुस्तक दिवस मनाया जाता है।

हर साल 23 अप्रैल को पूरे विश्व के लोगों द्वारा मनाया जाने वाला विश्व पुस्तक दिवस एक वार्षिक कार्यक्रम है। पढ़ना, प्रकाशन और प्रकाशनाधिकार को पूरी दुनिया में लोगों के बीच बढ़ावा देने के लिये यूनेस्को द्वारा सालाना आयोजित ये बहुत ही महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। 23 अप्रैल 1995 में पहली बार यूनेस्को द्वारा विश्व पुस्तक दिवस की शुरुआत की गयी। आमतौर पर, इसे लेखक, चित्रकार के द्वारा आम लोगों के बीच में पढ़ने को प्रोत्साहन देने के लिये मनाया जाता है। किताबों को और पढ़ने के लिये ये विश्व स्तर का उत्सव है।

विश्व पुस्तक दिवस को मनाने के पीछे बहुत सी मान्यता हैं। मीगुएल डी सरवेंटस नाम से सबसे प्रसिद्ध लेखक को श्रद्धांजलि देने के लिये स्पेन के विभिन्न किताब बेचने वालों के द्वारा वर्ष 1923 में पहली बार

23 अप्रैल की तारीख अर्थात् विश्व पुस्तक दिवस और किताबों के बीच संबंध स्थापित हुआ था। ये दिन मीगुएल डी सरवेंटस की पुण्यतिथि है।

विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस को मनाने के लिये यूनेस्को द्वारा 1995 में पहली बार विश्व पुस्तक दिवस 23 अप्रैल मनाये जाने की घोषणा हुई। ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार, विलियम शेक्सपियर, व्लादिमीर नबोकोव, मैमुएल सेजिया वैलेजो का जन्म और मृत्यु वर्षगाँठ, मीगुअल डी सरवेंटस (22 अप्रैल को मृत्यु और 23 अप्रैल को दफनाए गये), जोसेफ प्ला, इंका गारसीलासो डी ला वेगा का मृत्यु वर्षगाँठ और मैनुअल वैलेजो, मॉरिस द्रुओन और हॉलडोर लैक्सनेस का जन्म वर्षगाँठ होता है। 23 अप्रैल विश्व साहित्य में एक प्रतीकात्मक तिथि है। वर्ष 1616 में 23 अप्रैल को ही साहित्यकार विलियम शेक्सपियर, सेर्वंटेस और इंका गार्सिलासो का निधन हुआ था।

इंसान के बचपन से स्कूल से आरंभ हुई पढ़ाई जीवन के अंत तक चलती है। लेकिन अब कम्प्यूटर और इंटरनेट के प्रति बढ़ती दिलचस्पी के कारण पुस्तकों से लोगों की दूरी बढ़ती जा रही है। यही कारण है कि लोगों और किताबों के बीच की दूरी को खत्म करने के लिए यूनेस्को ने 23 अप्रैल को विश्व पुस्तक दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। यूनेस्को के निर्णय के बाद से पूरे विश्व में इस दिन विश्व पुस्तक दिवस मनाया जाता है। विश्व साहित्य के लिये 23 अप्रैल एक महत्वपूर्ण तारीख है क्योंकि 23 अप्रैल

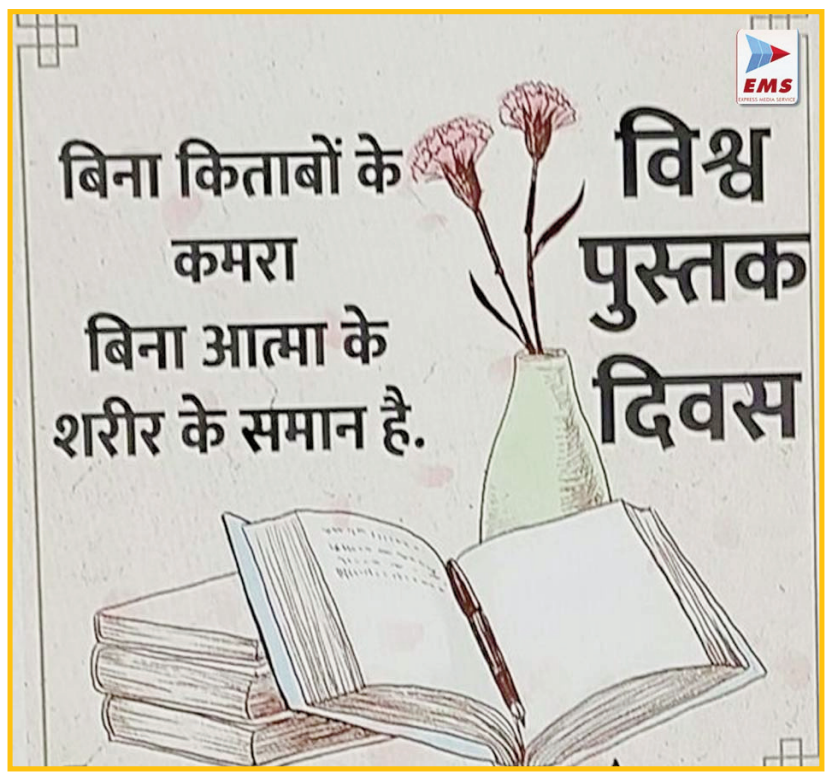

1616 कई महान हस्तियों की मृत्यु वर्षगाँठ थी। लोगों और देश की सामाजिक और सांस्कृतिक विकास की ओर अपने विशेष योगदानों के लिये नये विचारों को उत्पन्न करने के साथ ही किताबों के बीच असली खुशी और ज्ञान की खोज करने तथा किताबें पढ़ने के लिये ये आम लोगों खासतौर से युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए ये दिवस मनाया जाता है।

विश्व पुस्तक दिवस मनाने का कई तरीका उपलब्ध है। कई लोग अपने पसंदिता किताब को बाजार से खरीदकर उसे पढ़कर विश्व पुस्तक दिवस को मनाने में कोई भी शामिल हो सकता है। जहाँ सभी पसंसदीदा किताब ब्रैंड, चरित्र या लेखक पर आधारित होती है। लेखकों और दूसरी महत्वपूर्ण बातों के बारे में जानने के लिये उनमें जिज्ञासा उत्पन्न करने के साथ ही पढ़ने की आदत के लिये बच्चों को पास लाने में विश्व पुस्तक दिवस एक बड़ी भूमिका अदा करता है। बच्चों के बीच पढ़ने की आदत को आसानी से बढ़ावा देना, कॉपीराइट का प्रयोग कर बौद्धिक संपत्ति का प्रकाशन और सुरक्षित रखने के लिये यूनेस्को द्वारा पूरे विश्व भर में इसे मनाने की शुरुआत हुई। शिक्षकों, लेखकों, प्रकाशकों, लाइब्रेरियन, सभी निजी और सरकारी शैक्षणिक संस्थानों, एनजीओ, कार्यरत लोगों का समूह, मास मीडिया आदि के द्वारा खासतौर से विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस मनाया जाता है। यूनेस्को राष्ट्रीय परिषद, यूनेस्को क्लब, केन्द्रीय संस्थान, पुस्तकालय, स्कूल और दूसरे शैक्षणिक संस्थानों के द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

विश्व पुस्तक दिवस के द्वारा इच्छुक लोग ऐच्छिक संगठनों, विश्वविद्यालयों स्कूलों, सरकारी या पेशेवर समूहों, निजी व्यापार आदि से जुड़ते है। विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस उत्सव विश्व भर के सभी महाद्वीपों और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से लोगों को आकर्षित करता है। ये लोगों को नये विचार को खोजने और अपने ज्ञान को फैलाने में सक्षम बनाता है। किताबें विरासत का ख़जाना, संस्कृति, ज्ञान की खिड़की, संवाद के लिये यंत्र, संपन्नता का स्रोत आदि हैं।

विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस को मनाने का उद्देश्य है, जीवन को बेहतर बनाने के लिए पुस्तकों की शक्ति को पहचानना है। आमतौर पर, इसे लेखक, चित्रकार के द्वारा आम लोगों के बीच में पढ़ने को प्रोत्साहन देने के लिये मनाया जाता है।

बिना कुछ सीखे आप एक किताब नहीं खोल सकते.- कन्फ्यूशियस...।. -

एक किताब से ईमानदार मित्र कोई नहीं होता...।. -

हर जली हुयी किताब दुनिया को रोशन करती है.- राल्फ वाल्डो एमर्सन...।. -

जब भी आप एक अच्छी किताब पढ़ते हैं, तो कहीं न कहीं दुनिया में अधिक रोशनी की अनुमति देने के लिए एक दरवाजा खुलता है. -वेरा नज़रियन ..।

काले-गोरे की ग्रंथि से मुक्त होने का वक्त

सोनम लववंशी

हर समाज में भेदभाव का कोई-न-कोई रूप अस्तित्व में होता ही है। हमारा देश और समाज भी रंगभेद से अछूता नहीं है। हमारे यहां रंगभेद इस मायने में अलग है कि विदेशों में काले रंग का भेदभाव स्त्री और पुरुष दोनों के साथ समान रूप से होता है। परंतु, हमारे यहां काले या सांवलेपन को खासतौर से स्त्रियों के संदर्भ में देखा जाता है। प्रसिद्ध लेखिका मन्नू भंडारी और लेखिका व उद्योगपति प्रभा खेतान की आत्मकथाओं से पता चलता है कि किस प्रकार सांवले रंग ने उनके बचपन में जहर घोला, जिसका असर उनके पूरे व्यक्तित्व पर जिंदगी भर रहा। मध्य प्रदेश में शिवपुरी की एक महिला ने पिछले दिनों पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि उसके पति ने काली बेटी को जन्म देने के कारण घर से निकाल दिया। पति का आरोप है कि जब वह गोरा है, उसकी पत्नी गोरी तो फिर बच्चा कैसे काला हो सकता है। भला क्या बच्चे के रंग-रूप को कोई महिला कैसे निर्धारित कर सकती है। समाज में जब इस तरह की घटना होती है तो कई सवाल खड़े होते हैं। आधुनिकता के इस दौर में हमारी सोच का पैमाना कितना दकियानूसी है। कहते हैं ईश्वर ने जब इंसान को बनाया तो उसमें कहीं कोई भेद नहीं किया। यह तो हम इंसान ही हैं जो रंग-रूप, ऊंच-नीच में बंटे हुए हैं। आधुनिकता के इस दौर में आज भी हमारे समाज की सोच नहीं बदली है। यहां मन की सुंदरता से कहीं ज्यादा बाहरी सुंदरता को महत्व दिया जाता है। लड़की कितनी भी पढ़ी-लिखी क्यों न हो, उसे रंगभेद का शिकार होना ही पड़ता है। कहने को तो 'ब्लैक इज ब्यूटी' कहा जाता है। पर, क्या हक़ीक़त में हमारा समाज काले रंग को तवज्जो देता है। ख़ासकर जब बात लड़कियों की हो, तो समाज से उन्हें सिर्फ ताने ही सुनने को मिलते हैं। इस बात से किसी को फर्क नहीं पड़ता कि लड़की संस्कारी है, पढ़ी-लिखी है, घर के सारे काम जानती है। लेकिन, फर्क पड़ता तो सिर्फ इस बात से कि लड़की का रंग कैसा है। कहीं वह सांवली तो नहीं है। विज्ञापनों में गोरे रंग के महिमामंडल के मुद्दे को जब समाज के प्रगतिशील लोगों ने उठाया तो आधुनिकता के इस दौर में बदलाव सिर्फ इतना हुआ है कि विज्ञापनों में गोरे रंग की जगह 'चमक' शब्द ने ले ली है। आज भी जब किसी लड़की की शादी होने वाली होती है, तो 6 महीने पहले से ही गोरेपन के लिए ट्रीटमेंट शुरू कर दिए जाते हैं। उबटन लगाया जाता है ताकि लड़की सुन्दर दिखे। लड़की की आंतरिक सुंदरता का कोई मोल नहीं रहता। जबकि लड़कों के काले होने पर उन्हें कोई ताने नहीं मारे जाते। उनका कहीं कोई अपमान नहीं करता। हमारे देश में भगवान श्रीकृष्ण को पूजा जाता है। उनका श्याम वर्ण है। उनकी पूजा सारा देश करता है। जो इस बात का प्रतीक है कि हमारे पूर्वज किसी भी तरह के रंग-भेद को मान्यता नहीं देते थे। यह विचारणीय प्रश्न है कि क्या भारत में शासक वर्ग के रूप में जब अंग्रेज आये तो क्या उन्होंने भारतीय समाज में गोरे रंग को विशिष्टता और प्रतिष्ठता से जोड़ दिया? धीरे-धीरे इस प्रवृत्ति ने समाज में एक ग्रंथि का रूप ले लिया। लेकिन विडंबना देखिए कि आज आजाद भारत में भी काले और गोरे में भेद किया जाता है। यही वजह है कि हमारे देश में काले रंग को लेकर लोगों में हीन भावना इतनी कूट-कूटकर भर दी गई है कि गोरेपन की क्रीम और फेयरनेस प्रोडक्ट्स में हम दुनिया में नम्बर एक पर हैं। सिनेमा समाज का आईना है। सिनेमा में भी गोरेपन को सुंदरता के प्रतीक के तौर पर दिखाया जाता है। खासकर हीरोइनों को गोरा ही दिखाया जाता है। यही वजह है कि जो हीरोइन सांवली है, उसने भी इंडस्ट्री में बने रहने के लिए ट्रीटमेंट का सहारा लिया, ताकि अपना सांवला रंग दुनिया से छिपा सके। सांवली लड़कियों में इस तरह की मानसिकता को भर दिया जाता है कि सिनेमा सिर्फ गोरे लोगों के लिए ही बना हुआ है। क्या खूबसूरती और काबिलियत का पैमाना सिर्फ गोरा होना ही है! विडंबना देखिए कि फिल्मी गाने में भी गोरे रंग का ही जिक्र किया जाता है। 'काला रंग है मेहनत का' यह लाइन सिर्फ फिल्मों में ही अच्छी लगती है। असल जिंदगी से इसका कोई नाता नहीं है।

काले रंग के प्रति हीनता हमारे लोक-व्यवहार में भी साफ झलकती है। हमारे समाज में महिलाएं पितृसत्तात्मक राजनीति का शिकार होती आई हैं। खासकर जब बात उनकी शारीरिक सुंदरता की हो। ये पितृसत्ता ही है जिसने सबसे पहले गुणों के आधार पर रंग की बात की। महिलाओं को आज भी हमारे समाज में उनके रंग-रूप के आधार पर ही तवज्जो दी जाती है। काली लड़कियां घर से लेकर ससुराल तक ताने का शिकार होती हैं। वैसे भी हमारे समाज की विडंबना है कि हम 21वीं सदी में भी रंगभेद की मानसिकता से ग्रस्त हैं। आज समाज में धीरे ही सही बदलाव आ रहा है।

आर्थिक रूप से सबल स्त्रियां समाज में कामयाबी की नई इबारत लिख रही हैं। उनकी आर्थिक आजादी ने रंग-भेद की इबारत मिटानी शुरू कर दी है।

विचार मंथन

अमीरों और गरीबों के लिये बैंकों के दोहरे नियम

(लेखक - सनत जैन)

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने 4 साल के बैंकों के आंकड़े जारी किए हैं। पिछले 4 सालों में रिजर्व बैंक के अनुसार 6 लाख करोड़ रुपए की धोखाधड़ी बैंकों से हुई है। इनमें से 50 फ़ीसदी धोखाधड़ी के मामले 50 करोड़ रुपए से अधिक ऋण लेने वाले करोबा रियों के हैं। बैंक की राशि लूटने वाले यह छोटे-मोटे लोग नहीं है। रिजर्व बैंक के अनुसार बड़े-बड़े उद्योगपति और पूंजीपति हैं। जो बैंक के अधिकारियों से सांठगांठ करके कागजों पर प्रोजेक्ट बनाकर उद्योग एवं कारोबार के नाम पर लोन लेते हैं, उसके बाद लोन नहीं चुकाते जाते हैं। वर्तमान केंद्र सरकार हमेशा यह आरोप लगाती है, कि मनमोहन सिंह सरकार के समय लोन दिए गए थे। वह पैसा वसूल नहीं हो पाया। उद्योगपति डिफाल्टर हो गए, अथवा भाग गए हैं। लेकिन रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने पिछले 4 वर्षों की जो जानकारी दी है। वह सरकार के दावों को गलत बता रही है। 2017 से 2022 के बीच बैंकों का एनपीए बढ़कर 10 लाख करोड़ रुपए हो गया। भारत के बैंकों ने यह राशि डुबंत खाते में डाल दी है। यह राशी हर साल बढ़ती ही जा रही है। 2018-19 के वर्ष में सार्वजनिक बैंकों ने 2.36 लाख करोड़ रुपए डूबँत खाते में डाले हैं। जो पिछले 4 वर्षों का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। यह वही साल था, जब नोट बंदी के कारण भारत की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से डगमगा गई थी। नोटबंदी के बाद से उद्योगपतियों ने बड़े सुनियोजित तरीके से बैंकों को लूटने का कुचक्र रचा। साल दर साल बैंक से कर्जा लेते रहे। उसके बाद या तो कंपनी को दिवालिया घोषित कर दिया, या भारत छोड़कर भाग गए। पिछले 4 वर्षों में इन्हीं उद्योगपतियों के परिवार की कोई ना कोई एक सदस्य या परिवार के सभी सदस्य देश छोड़कर विदेशी नागरिकता लेकर विदेशों में नागरिक बन गये। उसके बाद एफडीआई के माध्यम से नया गोरख धंधा शुरू कर दिया। भारतीय शेयर बाजार मैं निवेश और मुनाफावसूली कर सुनियोजित रूप से धोखाधड़ी कर रहे हैं। विदेशी निवेश और भारत से निर्यात-आयत के कारोबार में जुड़कर सामान की बिलिंग में गड़बड़ी करके बड़े पैमाने पर काले धन को सफेद धन बनाकर, धन कमाने का सबसे बढ़िया जरिया शेयर बाजार को बना लिया है। अटैची कंपनियां बनाकर यह धंधा बड़ी जोरों के साथ चल रहा है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात है, कि मनमोहन सिंह के कार्यकाल के मुकाबले मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 साल के कार्यकाल में, बैंकों का एनपीए 10 गुना ज्यादा बढ़ा है। बैंकों का फॉड भी बढ़ा है। इसके बाद भी वर्तमान सरकार हमेशा मनमोहन सिंह सरकार के ऊपर पर्चा फाड़कर अपने आप को बचाने और घोटाले को दबाने का प्रयास करती है। रिजर्व बैंक द्वारा जारी 4 साल के आंकड़ों ने स्थिति को सार्वजनिक कर दिया है। बैंकों से जो फॉड हुआ है, जो राशि एनपीए में डूब गई है। वह भारत के बजट का 20 से 22 फ़ीसदी होता है। इतने बड़े पैमाने पर इतना बड़ा आर्थिक घोटाला, आगे की वर्षों में हमें कहां ले जाएगा। यह सभी को सोचना होगा। सरकार जो दावे करती है। वह असलियत से बहुत दूर हैं। हाल ही में जब सुप्रीम कोर्ट ने सेना को वन पेंशन वन रैंक के भुगतान की अदायगी करने के लिए कहा। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर कहा कि वह एकमुश्त पेंशन देने की आर्थिक स्थिति में नहीं है। वित्त मंत्रालय ने आर्थिक स्थिति की रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में पेश की। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट को अपने आदेश को संशोधित कर, चार किस्तों में पेंशन का भुगतान किए जाने के संशोधित आदेश जारी करना पडा। केंद्र सरकार जो बोलती है,उसके ठीक विपरीत आंकड़े रिजर्व बैंक ने पेश किए हैं। इनको ज्यादा दिन तक छुपाए रखना संभव नहीं है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि देश के बैंकों से जो धोखाधड़ी हुई है। कर्ज नहीं चुकाने वालों की जो एनपीए की राशि है। उसमें 86 फ़ीसदी बड़े बड़े पूंजीपतियों का बकाया है। बड़े कर्जदारों के लिये बैंकों के अलग कानून हैं। छोटे लोन वालों से कुर्की- डिग्री करके तथा समाचार पत्रों के माध्यम से नो टिस जारी कर वसूली करते हैं। बड़े कर्जदारों के नाम भी नहीं बताते हैं। मात्र 14 फ़ीसदी कर्ज सामान्य कर्जदारों का है। जिसमें किसान छोटे छोटे व्यापारी एवं व्यक्तिगत ऋण लेने वाले लोग हैं। पिछले 4 साल के आंकड़े रिजर्व बैंक ने प्रस्तुत किए हैं। उससे तो ऐसा ही लगता है, कि बैंकों से बड़े पैमाने पर बड़े-बड़े उद्योगपति और पूंजीपति सुनियोजित रूप से साजिसन धोखाधड़ी कर रहे हैं। सरकार उन पर कार्यवाही नहीं करती है। रिजर्व बैंक ने रिपोर्ट के माध्यम से अपनी चिंता से सरकार को अवगत करा दिया है।

समय रहते इस धोखाधड़ी पर नियंत्रण पा लिया जाए। पूंजीपतियों से कर्ज की वसूली करने की प्रक्रिया तेज की जाए,तो अच्छा है। अन्यथा आर्थिक मंदी के इस दौर में अर्थव्यवस्था को संभाल पाना सरकार और रिजर्व बैंक के लिए बहुत मुश्किल होगा।

हर घर हो हॉकी की पहचान, अभियान शुरु

नई दिल्ली । हॉकी इंडिया ने देश के सभी जिलों को नियमित कोचिंग कैंप और अंतर-जिला प्रतियोगिता आयोजित करने के लिए एक कार्यक्रम शुरू किया है। उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम क्षेत्रों में आयोजित पहली हॉकी इंडिया क्षेत्रिय चैंपियनशिप की सफलता के बाद, राष्ट्रीय खेल महासंघ ने सभी सदस्य राज्य इकाइयों से अपने संबंधित जिला संघों के साथ मिलकर काम करने और हॉकी को बढ़ावा देने में मदद करने के लिए नियमित गतिविधियों की मेजबानी और प्रतिभा तलाश को सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।इस पहल का नाम 'हॉकी इंडिया का अभियान हर घर हो हॉकी की पहचान' है। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा,'' हमने हाल ही में चार क्षेत्र (उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम) में से प्रत्येक में चार अधिकारियों को तैनात किया है, ताकि हमारे राज्य और जिला इकाइयों को यह बताया जा सके कि इन टूर्नामेंटों और कोचिंग शिविरों की मेजबानी करना न केवल खेल को विकसित करने के लिए बल्कि एक मजबूत खेल संस्कृति बनाने के लिए भी जरूरी है। उन्होंने कहा, इसतरह के टूर्नामेंट खिलाड़ियों को पहचान दिलाने के साथ खेलों में सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देते हैं। कार्यक्रम के तहत विभिन्न राज्यों में हॉकी स्टिक और बॉल भी बांटे जाएंगें।

आज केकेआर को हराकर जीत की हैट्रिक लगाना चाहेगी सीएसके

जीत के लिए बेकरार हैं केकेआर

कोलकाता ।(एजेंसी)

लगातार तीन मैचों में हार से मुश्किल में फंसी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में जीत दर्ज करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देना होगा। महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई वाली टीम ने पिछले दोनों मैच जीते हैं, उसका लक्ष्य यहां लगातार तीसरी जीत दर्ज करके अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत करना होगा। केकेआर के अभी छह मैचों में चार अंक हैं। उसकी शुरुआत अच्छी रही थी लेकिन पिछले तीन मैचों में केकेआर को सनराइजर्स हैदराबाद, मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा। इन तीनों टीम में से दिल्ली और हैदराबाद इस सत्र में संघर्ष कर रहे हैं, जबकि मुंबई ने पिछले कुछ मैचों में ही वापसी की है। दिल्ली ने लगातार पांच मैच हारने के बाद केकेआर को हराकर वर्तमान सत्र में अपनी पहली जीत दर्ज की थी। केकेआर को पिछले तीनों मैचों में बल्लेबाजों की सामूहिक नाकामी के कारण हार देखनी पड़ी हैं, क्योंकि इस बीच उसके गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया था। पिछले मैच में दिल्ली के खिलाफ केकेआर के बल्लेबाजों ने 67 गेंदों पर रन नहीं बनाए और उसकी पूरी टीम 127 रन पर आउट हो गई थी। केकेआर को जल्द ही अपने प्रदर्शन में सुधार कर वापसी करनी होगी, क्योंकि अब किसी भी तरह की ढिलाई बरतना टीम को महंगा पड़ सकता है। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जेसन रॉय ने पिछले मैच में टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई थी लेकिन उनके साथी लिटन दास नहीं चल सके थे। इसके बाद में नारायण जगदीशन को विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर रखकर गेंदबाजी आक्रमण को मजबूत किया जा सकता है। दिल्ली के खिलाफ मैच में केकेआर के लिए आंद्रे रसेल का फॉर्म में लौटना सकारात्मक पहलू रहे और टीम को उनसे फिर से आक्रामक पारी की उम्मीद रहेगी। केकेआर के गेंदबाजों ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन सुनील नारायण पिछले मैच में नहीं चल सके थे, और वह चेन्नई के खिलाफ मजबूत वापसी करने की कोशिश करने वाले हैं। ईडन गार्डन्स केकेआर का घरेलू मैदान है, लेकिन रविवार को यह धोनी के रंग में रंगा हो सकता है। इस करिश्माई विकेटकीपर बल्लेबाज का यह इस ऐतिहासिक मैदान पर आखिरी मैच हो सकता है। इसकारण इस मैच के टिकटों की भारी मांग है।

चेन्नई सुपर किंग्स ने पिछले मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया है। रुतुराज गायकवाड और न्यूजीलैंड के उनके सलामी जोड़ीदार डेवोन कॉनवे टीम को अच्छी शुरुआत दिला रहे हैं। कॉनवे स्पिनरों को अच्छी तरह से खेल रहा है, वह नारायण और वरुण चक्रवर्ती की चुनौती का सामना करने के लिए तैयार लगता है।

चेन्नई की स्पिन तिकड़ी मोईन अली, रविंद्र जडेजा और महेश तीक्ष्णा भी अपना कमाल दिखाने के लिए तैयार हैं, लेकिन चेन्नई के लिए श्रीलंका का तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना तुरुप का इक्का साबित हुआ है। केकेआर के बल्लेबाजों को उनके सामने संभलकर खेलना होगा।

तीरंदाजी विश्व कप: भारतीय कम्पाउंड मिश्रित टीम फाइनल में

(एजेंसी)।

भारत की ज्योति सुरेखा वेन्नम और ओजस प्रवीण देयोतले ने शुक्रवार को यहां तीरंदाजी विश्व कप 2023 चरण एक के स्वर्ण पदक मुकाबले में प्रवेश कर लिया है। ज्योति और ओजस ने मलेशिया की जोड़ी फातिन नरफतेहह मत सालेह और मोहम्मद जुवैदी माजुकी को सेमीफाइनल में 157-155 से हराया। भारतीय जोड़ी का शनिवार को स्वर्ण पदक के लिए चीनी ताइपे की जोड़ी चेन यी-हसुआन और चेन चिह लुन से मुकाबला होगा।2022 में सुरेखा ने अभिषेक वर्मा के साथ वर्ल्ड गेम्स का कांस्य पदक और पेरिस विश्व कप का स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने 20 साल के ओजस के साथ पहली बार जोड़ी बनायी। भारतीय जोड़ी को पहले राउंड में बाई मिली थी। उन्होंने दूसरे दौर में लक्जमबर्ग की जोड़ी को 159-157 से हराया और क्वार्टरफाइनल में फ्रांस को 159-156 से हराया। इस बीच अतानु दास और भजन कौर की रिकर्व मिश्रित टीम पहले राउंड में डेनमार्क से 3-5 से हार गयी।

यूरोपा लीग : मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराकर सेविला सेमीफाइनल में

(एजेंसी)।

छह बार के यूएफा यूरोपा लीग विजेता सेविला ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को 3-0 से हराकर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है।मोरोक्को के इंटरनेशनल स्ट्राइकर यूसुफ एन-नसीरी ने गुरूवार रात सेविला की जीत में दो गोल दागे और सेविला ने कुल 5-2 से जीत हासिल की। उसकी यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पिछले सप्ताह ओल्ड ट्रेफर्ड में वह पहले हाफ में 0-2 से पिछड़ गए थे। शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार सेविला ने पहला गोल जल्दी ही हासिल कर लिया। आठवें मिनट में एरिक लामेला ने बॉक्स में गेंद संभाली और एन-नसीरी को पास दिया जिन्होंने 10 मीटर की दूरी से गोल दाग दिया। दूसरे हाफ में लोइक बड़े ने लूपिंग हैडर लगाते हुए सेविला की बढ़त दोगुनी कर दी। एन-नसीरी ने 81वें मिनट में गोलकीपर डी जिया की गलत क्लियरिंग का फायदा उठाते हुए गेंद संभाली और अपना दूसरा तथा टीम का तीसरा गोल दागते हुए टीम को अंतिम चार में पहुंचा दिया।

आईपीएल के लिए धोनी फिट, लेकिन बेन स्टोक्स एक सप्ताह तक रहेंगे बाहर

चेन्नई। (एजेंसी)

चेन्नई सुपरकिंग्स के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा कि कप्तान महेंद्र सिंह धोनी फिट हैं लेकिन ऑलराउंडर बेन स्टोक्स एक और सप्ताह तक नहीं खेल पाएंगे। गौरतलब है कि स्टोक्स को पैर में चोट लग गई थी। कोच द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार स्टोक्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई की तरफ से पहले दो मैच खेले थे लेकिन इसके बाद वह पांव की चोट के कारण अगले चार मैचों में नहीं खेल पाए। फ्लेमिंग ने चेन्नई की सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ सात विकेट से जीत के बाद संवाददाताओं से कहा था कि बेन स्टोक्स चोटिल हो गए हैं और वह अभी एक सप्ताह तक बाहर रहेंगे। उनकी चोट गंभीर नहीं है और वह वापसी के लिए वास्तव में कड़ी मेहनत कर रहा है। फ्लेमिंग ने कहा कि धोनी अपनी चोट से अच्छी तरह से निपट रहे हैं और उनको लेकर किसी तरह की चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि धोनी पूरी तरह ठीक है। वह अपनी चोट से अच्छी तरह से निपट रहे हैं। वह खेलने के लिए उपलब्ध हैं। उन्होंने हमेशा टीम को सर्वोपरि रखा है। अगर उनको लगता है कि वह चोट के कारण योगदान नहीं दे पाएंगे तो वह खुद ही बाहर हो जाएंगे। उनको लेकर किसी तरह की चिंता नहीं है। कोच फ्लेमिंग ने आगे कहा कि धोनी विकेट के पीछे जिस तरह की भूमिका निभाते हैं उसके लिए उन्हें उतना श्रेय नहीं मिलता जितना मिलना चाहिए। इस बीच सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच ब्रायन लारा ने कहा कि उनके बल्लेबाजों को बीच के ओवरों में अपने शॉट चयन पर ध्यान देना होगा। लारा ने कहा कि हमने मैच के बीच में इस पर चर्चा की थी। विकेट थोड़ा धीमा था और स्पिन ले रहा था और इस पर बल्लेबाजी करना थोड़ा मुश्किल था। बीच के इन ओवरों में शॉट का चयन भिन्न हो सकता था लेकिन हमें अब इससे आगे बढ़ना होगा।

संक्षिप्त समाचार

खुद को सर्वश्रेष्ठ स्थिति में रखने का प्रयास कर रहा हूं : जोफ्रा आर्चर

मुंबई । चोटिल होकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के चार मैचों में नहीं खेल पाने वाले तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने कहा कि वह मुंबई इंडियंस की अंतिम एकादश में जगह बनाने के लिए खुद को सर्वश्रेष्ठ स्थिति में रखने का प्रयास कर रहे हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ने कहा कि अभी वह अच्छा महसूस करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। आर्चर मुंबई इंडियंस की तरफ से रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ पहले मैच में खेले थे लेकिन इसके बाद दाहिनी कोहनी की चोट के कारण उन्हें बाहर बैठना पड़ा। मुंबई ने उन्हें आईपीएल 2022 से पहले नीलामी में खरीदा था लेकिन चोट के कारण वह वर्तमान सत्र से पहले तक इस फ्रेंचाइजी की तरफ से कोई मैच नहीं खेल पाए थे। आर्चर ने कहा, निश्चित तौर पर पिछले दो सप्ताह वैसे नहीं रहे जैसे आप पूरी तरह सक्रिय होने पर चाहते हैं। लेकिन जब आप लंबे समय तक बाहर रहते हैं, तब फिर आप एकदम से शत प्रतिशत फिटनेस हासिल करने की उम्मीद नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा,'' कभी इसतरह के पल भी आ रहे हैं जब आपको लग रहा है कि यह वास्तव में गंभीर है। मैं नहीं जानता कि मेरा अगला मैच कौन सा होगा लेकिन मैं (खेलने के लिए) खुद को सर्वश्रेष्ठ स्थिति में रखने का प्रयास कर रहा हूं। आर्चर ने कहा,'' ईमानदारी से कहूं, तब मैं अभी जितनी तेजी से हो सके गेंदबाजी करना चाहता हूं लेकिन जब आप अच्छा महसूस करते हैं, तब अच्छी गेंदबाजी भी करते हैं।

11 साल बाद हमवतन खिलाड़ी से हारे जोकोविच

बंजा लुका। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच सर्पस्का ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में अपने हमवतन दुसान लाजोविच से हार गए। यह पिछले 11 वर्षों में पहला मौका हैं, जबकि जोकोविच को अपने हमवतन किसी खिलाड़ी से हार का सामना करना पड़ा। लाजोविच ने मैच में 6-4 7-6 (6) से जीत दर्ज करने के बाद कहा, यह मेरे करियर की सबसे बड़ी जीत है। जोकोविच मेरा अच्छा दोस्त और हमारे देश का नायक है। मैंने उस हराने के बारे में सोचा तक नहीं था लेकिन ऐसा हो गया। जोकोविच को इससे पहले आखिरी बार सर्बिया के किसी खिलाड़ी से 2012 में हार का सामना करना पड़ा था। तब मैड्रिड में जांको टिप्सारेविच ने उन्हें पराजित किया था।

टी20 क्रिकेट में बतौर कीपर सबसे अधिक कैच पकड़ने वाले खिलाड़ी बने धोनी

चेन्नई ।(एजेंसी)

चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने आईपीएल 2023 के 29वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। वह टी20 क्रिकेट में बतौर विकेट कीपर अब सबसे अधिक कैच पकड़ने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने मामले में साउथ अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक को पछाड़ा है, जो आईपीएल में लखनऊ सुपर जाएंट्स का हिस्सा हैं। धोनी ने यह उपलब्धि एसआरएच के कप्तान एडन मार्क्रम का कैच पकड़कर हासिल की। बता दें, मैच में चेन्नई ने हैदराबाद को 7 विकेट से हराकर चौथा मुकाबला जीता। पारी का 13वां ओवर लेकर आए महेश तीक्षणा की पांचवी गेंद पर मार्क्रम बड़ा शॉट खेलना चाहते थे, मगर इस जादुई स्पिनर ने हैदराबाद के कप्तान को हाथ खोलने का मौका नहीं दिया। इसमें गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर सीधा धोनी के दस्तानों में गई। इस कैच के साथ सीएसके के कप्तान टी20 क्रिकेट में बतौर कीपर सबसे अधिक कैच लेने वाले खिलाड़ी बने। धोनी अभी तक क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में बतौर विकेट कीपर 208 कैच लपक चुके हैं। उन्होंने इस लिस्ट में क्विंटन डी कॉक को पछाड़ा है, जिनके नाम 207 कैच हैं। इस सूची में एमएस धोनी सबसे पहले स्थान पर आते हैं, उन्होंने अब तक 208 कैच पकड़े हैं। दूसरे नंबर पर 107 कैचों के साथ क्विंटन डी कॉक हैं, फिर दिनेश कार्तिक-205, कामरान अकमल- 172 और दिनेश रामदीन-150 कैचों के साथ पांचवें नबर पर आते हैं। 2006 में अपना पहला टी20 मुकाबला खेलने वाले धोनी ने अभी तक इस फॉर्मेट में कुल 356 मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 208 कैच पकड़ने के अलावा 85 स्टंप आउट भी किए हैं।

जडेजा ने कहा, ब्रुक का कैच महत्वपूर्ण, इस कैच में हम मैंच वापस ला दिया

मुंबई ।(एजेंसी)

भारत के हरफनमौला खिलाड़ी रवींद्र जडेजा ने कहा है कि वह शुक्रवार को एसआरएच के खिलाफ मैन ऑफ द मैच के प्रदर्शन के बाद अपनी टीम सीएसके के लिए हमेशा कुछ खास करने की कोशिश कर रहे हैं। जडेजा ने शानदार गेंदबाजी की, जिसने हैदराबाद को 134/7 का स्कोर पर रोक दिया। इसके बाद सीएसके ने 18.4 ओवर में 138 रन बनाकर 7 विकेट से जीत दर्ज की। सीएसके के गेंदबाजी कोच ड्वेन ब्रावो से मैच के बाद बात करते हुए जडेजा ने कहा कि वह अपनी गेंदबाजी से खुश हैं और हमेशा टीम के लिए कुछ खास करने के लिए तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा, बहुत अधिक, बहुत अधिक। जिस तरह से मैं गेंदबाजी कर रहा हूं, मैं बहुत खुश हूं। मैं हमेशा अपनी टीम के लिए कुछ खास करने के लिए तत्पर रहता हूं। सब कुछ बहुत अच्छा लग रहा है। हम बस कोशिश करते हैं और गति जारी रखते हैं। पिछले तीन-चार मैचों से खेलना अद्भुत रहा है। जडेजा ने मैच के दौरान कुछ महत्वपूर्ण कैच लेने वाले रुतुराज गायकवाड़ को भी विशेष सराहना की। जडेजा ने महसूस किया कि ब्रुक का कैच महत्वपूर्ण था क्योंकि इस कैच ने सीएसके को खेल में ला दिया। जडेजा ने कहा, उसने शानदार कैच लपके। उसने गति निर्धारित की। मुझे पता है कि ब्रूक बहुत अच्छा हिट कर रहा है। मुझे लगता है कि वह कैच बहुत महत्वपूर्ण था। उस कैच ने हमें खेल में ला दिया। फिर स्पिनर आए और उन्होंने मध्य क्रम के कुछ विकेट लिए।

75 फ़ीसदी लीवर डोनेट करने के बाद भी खेल की दुनिया में कीर्तिमान

भोपाल ।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में अंकिता श्रीवास्तव नए नए रिकॉर्ड बना रही है। उसने अपनी मां को 75 फ़ीसदी लीवर डोनेट किया है। इसके बाद भी वह खेल में नए-नए मेडल लेकर आ रही है। भोपाल की एथलीट अंकिता श्रीवास्तव ने पार्थ में चल रहे वर्ल्ड ट्रांसप्लांट गेम्स की एथलेटिक्स की लांग जंप में शुक्रवार को एक गोल्ड मेडल और शाट फुट में 1 सिल्वर मेडल जीता है। 4 साल पहले उसने न्यूजीलैंड में हुए इन्हीं गेम्स में 2 गोल्ड और एक सिल्वर मैडल जीता था। अंकिता श्रीवास्तव ने 75 फ़ीसदी लीवर डोनेट करने के बाद भी जिस तरह से खेल के मैदान में एक के बाद एक प्रतियोगिता जीतकर,गोल्ड और सिल्वर जीत रही है। उससे उसका इरादा पक्का हुआ है। वह 2025 में जर्मनी में होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेगी। अंकिता अभी यूएसए में रहकर एमबीए की पढ़ाई कर रही है। एमपी नगर भोपाल की रहने वाली अंकिता की हर जगह तारीफ हो रही है।

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत के साथ ही धोनी ने किया संन्यास का इशारा

नई दिल्ली। (एजेंसी)

चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने संन्यास का इशारा कर दिया है। इंटरनेशनल क्रिकेट को पहले ही अलविदा कह चुके माही साल में दो महीने सिर्फ आईपीएल ही खेलते हैं। मगर जल्द ही वह इस टूर्नामेंट में भी खेलना बंद कर देंगे। 16वें सीजन में गुरुवार रात सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत के बाद उन्होंने कहा कि यह मेरे करियर का आखिरी पड़ाव है। चेन्नई के मशहूर चेपॉक स्टेडियम में मैच खत्म होने के बाद हर्षा भोगले से धोनी ने अपने भविष्य के बारे में बातचीत की। 41 साल के हो चुके धोनी ने कहा, सब कुछ बोला और किया जा चुका है। यह मेरे करियर का आखिरी स्टेज है, चाहे मैं कितना भी लंबा खेलूं। इस लोकप्रिय क्रिकेटर ने प्रशंसकों के भारी समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा आईपीएल पिछले दो सीजन से काफी अलग है। धोनी ने कहा कि दो साल बाद फैंस मैच देखने इस ग्राउंड पर आ रहे हैं। हमें भी यहां आकर अच्छा लगता है। क्राउड ने हमें बहुत प्यार और खूब स्नेह दिया है।

मैच में चेन्नई सुपर किंग्स के डेवोन कॉनवे का दबदबा देखने मिला, जिन्होंने 57 गेंदों में नाबाद 77 रन की पारी खेली, जो इस सीजन में उनका तीसरा अर्धशतक था। रुतुराज गायकवाड़ (35) के साथ शुरुआती विकेट के लिए 87 रन की साझेदारी के बूते उन्होंने चेन्नई ने आठ गेंद पहले ही 134 रन का लक्ष्य साध लिया। मैच में विकेट के पीछे धोनी ने गजब की फुर्ती दिखाई। एक शानदार स्टंपिंग की। जबरदस्त केच लपका। जीत के बाद सनराइजर्स हैदरबाद के खिलाड़ी मैदान पर ही धोनी को घेरकर खड़े हो गए और उनसे बातचीत करने लगे। इस दौरान माही ने भी अपना पूरा अनुभव उन युवा क्रिकेटर्स के साथ साझा किया। धोनी ने अपनी कप्तानी में चेन्नई को चार बार चैंपियन बनाया है।

बीसीसीआई की बड़ी तैयारी, ऋषभ पंत की जगह राहुल व ईशान पर टिकी नजरें

नई दिल्ली । वर्ल्ड कप में ऋषभ पंत की जगह राहुल व ईशान पर बीसीसीआई की नजरें टिकी हुई हैं। गौरतलब है कि युवा विकेटकीपर बैटर ऋषभ पंत का साल 2022 के अंत में भयानक कार एक्सीडेंट हो गया था। इस कारण उनके घुटने का ऑपरेशन तक करना पड़ा। उनकी वापसी में अभी भी 6 से 7 महीने का समय लग सकता है। ऐसे में उनका वर्ल्ड कप में उतरना मुश्किल है। मी डिया से बात करते हुए बीसीसीआई के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि पंत को वापसी करने में अधिक समय लग सकता है। ऐसे में हम केएल राहुल और ईशान किशन की ओर बतौर विकेटकीपर नजर लगाए हुए हैं। जानकारी के अनुसार टीम इंडिया के खिलाड़ी अभी आईपीएल 2023 में उतर रहे हैं। भारतीय टीम के पास इस साल 2 आईसीसी ट्रॉफी जीतने का मौका है। इस कारण बीसीसीआई तैयारी में किसी तरह की कोई कमी नहीं रखना चाहता है। टीम इंडिया ने अंतिम बार 2011 में वर्ल्ड कप का खिताब जीता है। यानी उसे 12 साल से ट्रॉफी का इंतजार है। गौरतलब है कि ऋषभ पंत ने पिछले हफ्ते आरसीबी के खिलाफ मैच से पहले मीडिया से बात करते हुए कहा था कि मैं अच्छी तरह से ठीक हो रहा हूं और हर गुजरते दिन के साथ मैं बेहतर महसूस कर रहा हूं। मैं एनसीए का का दौरा करने आया था। बीसीसीआई के अधिकारी ने कहा कि साल के अंत तक पंत के मैच खेलने के की संभावना कम है। इस कारण केएल राहुल और ईशान किशन के अलावा बतौर विकेटकीपर हम संजू सैमसन और केएस भरत की ओर भी देख रहे हैं। हालांकि केएल राहुल का प्रदर्शन इंटरनेशनल क्रिकेट में पिछले कुछ दिनों में कुछ खास नहीं रहा। इस कारण उनसे वनडे टीम की उप-कप्तानी छीन ली गई थी। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान उन्हें प्लेइंग-11 तक से बाहर कर दिया गया था। लेकिन ओवरऑल वनडे क्रिकेट में उनका प्रदर्शन अच्छा है। वे मध्यक्रम में बेहतरीन प्रदर्शन भी कर रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लकड़ी कैसे पचा लेती है दीमक?

पेड़-पौधों में पाया जाने वाला सेलुलोज ही दीमक का भोजन होता है। इसलिए वे तमाम चीजें दीमक का भोजन होती हैं जिनमें सेलुलोज होता है। बहुत सी सूखी लकड़ी पर तुमने दीमक का घर बना देखा होगा। लकड़ियों के बने फर्नीचर, कॉपी-किताबों जैसी बहुत सी चीजों को दीमक चट कर जाती है और फिर वह सामान किसी काम का नहीं रह जाता। दीमक जो सेलुलोज भोजन के रूप में प्राप्त करती है उसे पचा पाने की क्षमता उसमें नहीं होती है। इसे पचाने के लिए दीमक को दूसरे जीव की मदद लेना पड़ती है। ये दूसरे जीव प्रोटोजोआ कहलाते हैं, जो दीमक की आँतों में रहते हैं। दोनों के बीच सहभागिता का रिश्ता होता है। दीमक लकड़ी को चबाकर निगल जाती है और आँतों में रहने वाले प्रोटॅजोआंस इस लकड़ी की लुगदी को भोजन में बदल देते हैं। इस भोजन से ही दोनों जीव अपना जीवन चलाते हैं। दीमक पर्यावरण में सफाईगार की भूमिका निभाती है पर कई बार यह कीमती सामान को खराब करके नुकसानदायक भी साबित होती है। दीमक समूह में रहती है और भोजन तलाशने में एक-दूसरे की मदद भी करती है। ये चींटियों से मिलती-जुलती लगती हैं। इसलिए इन्हें 'व्हाइट एंट' भी कहा जाता है। आकार के अलावा चींटियों से इनकी कोई समानता नहीं होती।

जानो स्पेस सूट के बारे में

बच्चो, आप लोगों ने सुनीता विलियम्स के बारे में जरूर सुना होगा। सुनीता विलियम्स ने अंतरिक्ष में छह महीने तक रहने और सबसे लंबी स्पेस वॉक करने का रिकार्ड बनाया है। आप ने टेलीविजन चैनल और समाचार-पत्रों में सुनीता विलियम्स और अन्य अंतरिक्ष यात्रियों की तस्वीरें देखी होंगी। आपने देखा होगा अंतरिक्ष यात्री हमेशा एक खास तरह की ड्रेस पहनते हैं। एक मोटा सा सूट और उस पर हैलमेट और ऑक्सीजन मास्क भी लगा रहता है। अंतरिक्ष में जाने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों को यहीं सूट पहनना पड़ता हैं। इसे स्पेस सूट कहते है। इस स्पेस सूट को पहने बगैर अंतरिक्ष में रहना संभव नहीं होता है। स्पेस सूट की वजह से ही अंतरिक्ष के प्रतिकूल माहौल में अंतरिक्ष यात्री जीवित रह पाते हैं। इस स्पेस सूट को तैयार करने के लिए भी वैज्ञानिकों ने बहुत मेहनत और शोध किया हैं। यह सूट उस कपड़े से नहीं बना होता है, जिसे हम और आप पहनते हैं। नासा के वैज्ञानिक अंतरिक्ष की स्थितियों का आँकलन करने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों के लिए इस सूट को तैयार करते हैं। 'हार्ड अपर टोर्सो' नामक पदार्थ का इस्तेमाल करते हुए अंतरिक्ष यात्रियों के सूट तैयार किये जाते हैं। इस सूट को पहनने के बाद हमारे शरीर का तापमान और बाहरी वातावरण से शरीर पर पड़ने वाला दबाव नियंत्रित रहता है। इसके साथ ही यह सूट इस तरह से बनाया जाता है कि यह अंतरिक्ष में मौजूद हानिकारक किरणों से हमारे शरीर को बचाने के लिए कवच का काम करे। इस सूट के अंदर ही एक लाइफ सपोर्टिंग सिस्टम होता है, जिससे अंतरिक्ष यात्रियों को शुद्ध ऑक्सीजन प्राप्त होती है। इस सूट के अंदर गैस और द्रव पदार्थो को रीचार्ज और डिस्चार्ज करने की व्यवस्था भी होती है। इस सूट में ही अंतरिक्ष यात्री वहाँ से एकत्रित किये गए, ठोस कणों को सुरक्षित रख सकते हैं।

पैंगुइन उड़ क्यों नहीं पाते हैं?

ऑस्ट्रिच और इमू की तरह पैंगुइन भी पंख होने के बावजूद उड़ते नहीं हैं। कहते हैं आज से ६५० लाख साल पहले पैंगुइन के पूर्वज उड़ पाते थे और धीरे-धीरे उनकी यह क्षमता खत्म हो गई। पैंगुइन के पूर्वज समुद्र के ऊपर उड़ते थे और भोजन की तलाश में समुद्र में डाइव लगाते थे। लाखों सालों पहले पैंगुइन की हड्डियाँ पक्षियों की तरह ही हल्की होती थीं और वे उड़ पाते थे, पर समय के साथ उनकी हड्डियाँ भारी हो गईं और वजन बढ़ जाने से उनका खुद को हवा में उठाना नामुमकिन हो गया। हालाँकि इन्हीं हड्डियों के कारण पैंगुइन अब पानी में डाइव बेहतर तरीके से लगा पाते हैं।

समुद्र में पायी जाने वाली विचित्र मछलियां

धरती के 70 प्रतिशत भाग में फैला हुआ सागर पृथ्वी की जलवायु को संतुलित रखने, भोजन और ऑक्सीजन प्रदान करने, जैव विविधता बनाये रखने और परिवहन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वैज्ञानिकों के मतानुसार धरती पर प्रारंभिक जीवन सागर से ही प्रारम्भ हुआ था और चरणबद्ध विकास के फलस्वरूप यह धरती पर भी पनपने लगा और वर्तमान में उपलब्ध जैव विविधताओं का कारण बना।

वाइपर फिश

बेहद गहरे पानी और उच्च दबाव वाले क्षेत्र में रहने वाली यह मछली देखने में काफी डरावनी लगती है। बेहद कठिन परिस्थितियों में रहने के कारण यह बहुत कम खाने पर भी लम्बे समय तक जिन्दा रह सकती है। इसके पास से गुजरने वाले किसी भी शिकार का इसके नुकीले दांतों से बचना नामुमकिन ही है।

सिलिकेन्थ

प्रागैतिहासिक युग के प्राणियों के सामान दिखने वाली यह मछली एक जीवित जीवाश्म ही है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह ७ करोड़ वर्ष पहले मिलने वाली मछलियों की संरचना से काफी मिलती है।

इलेक्ट्रिक ईल

समुद्र में पायी जाने वाली यह ईल प्रजाति की मछली आकार में २ मीटर तक लम्बी और २० किलो तक वजनी हो सकती है। यह ६०० वोल्ट का तेज विद्युतीय झटका दे सकती है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह अपने विद्युत का इस्तेमाल रास्ता खोजने में भी कर सकती है।

मिस्ट्री शार्क

दुनिया के सबसे गहरे समुद्री क्षेत्र के रूप में विख्यात मरियाना ट्रेंच में पाई जाने वाली यह अत्यंत दुर्लभ शार्क की तस्वीर है। यह एक प्रागैतिहासिक जीव है जिसे सबसे पहले जापानी वैज्ञानिकों ने देखे जाने का दावा किया था।

स्टोनफिश

हिन्द महासागर और पश्चिमी प्रशांत महासागर में पाई जाने वाली यह मछली एकदम पत्थर की तरह समुद्र की सतह पर निष्क्रिय पड़ी रहती है। जैसे ही कोई शिकार इसके पास आता है यह झपटकर उसे पकड़ लेती है। यह एक जहरीली मछली है और इसका शिकार हृदयाघात से बेहद दर्दनाक मौत मरता है।

स्टार गैजेर्स

यह समुद्र में पायी जाने वाली एक जहरीली मछली है। यह खुद को रेत में अच्छी तरह छुपा लेती है और जैसे ही शिकार इसके पास आता है तेजी से झपट्टा मारकर उसे पकड़ लेती है। अन्य मछलियों के विपरीत इसकी आँखें सामने की ओर होती हैं।

पफर फिश

पफर फिश अपने नाम के अनुसार खतरा महसूस होने पर ढेर सारा पानी अपने लचीले पेट में भरकर अपना आकार बढ़ा लेती है जिससे शिकार कंफ्यूज हो जाता है और यह मौके का लाभ उठाकर बच निकलती है। यह भी एक जहरीली मछली है।

फ्रिल्ड शार्क

बहुत गहरे पानी में पायी जाने वाली यह शार्क की अत्यंत दुर्लभ प्रजाति है जिसे देखने मात्र से ही भय उत्पन्न होता है। यह पत्थर की बनी हुई दिखती है और एक जीवित जीवाश्म है।

वैम्पायर स्क्विड

यह गहरे पानी में पाया जाने वाला एक प्रकार का स्क्विड ही है जिसने अपने आप को गहरे पानी के अनुकूल ढाल लिया है। यह अँधेरे में बल्ब के सामान चमकीली संरचनाओं से प्रकाश उत्पन्न करता है। खतरा महसूस होने की स्थिति में यह चमकीली स्याही छोड़ता है जिससे शिकारी चौंक जाता है और यह मौके का लाभ उठाकर बच निकलता है।

बिगफिन स्क्विड

स्क्विड प्रजाति से सम्बन्ध रखने वाला यह जीव गहरे पानी में पाया जाता है। यह स्क्विड आकार में १६ फीट तक लम्बा हो सकता है।

मड स्किपर

यह ऐसे समुद्र तटीय क्षेत्रों में रहती है जहाँ ज्वार और भाटा निरंतर आता रहता है। यह खारे पानी और जमीन दोनों पर रह सकती है। यह एम्फीबियन प्रजाति की तरह ही त्वचा से साँस ले सकती है।

एंगलर फिश

लगभग सभी महासागरों में पाई जाने वाली यह मछली आकार में १ मीटर तक लम्बी हो सकती है। इसके सर पर चारे के सामान संरचना होती है जिसे यह जब हिलाती है तो जीवन के लिए संघर्ष करते हुए चारे के सामान प्रतीत होता है जिससे दूसरी मछलियां आकर्षित होती हैं और इसका आसान शिकार बन जाती हैं।

हैमर हेड शार्क

देखने में किसी दूसरी दुनिया के जीव सी लगने वाली यह शार्क सामान्य रूप से दुनिया भर के महासागरों में पाई जाती है। इसकी आँखें शरीर से बहुत दूर होती हैं जो इसे ज्यादा क्षेत्र तक देखने में सक्षम बनाती हैं।

अमेरिका में राष्ट्रपतियों की याद को समर्पित स्मारक माउंट रशमोर

माउंट रशमोर अमेरिका में राष्ट्रपतियों की याद को समर्पित एक स्मारक है। यह 60 फुट या 18 मीटर लंबी रचना है जिसमें भूतपूर्व राष्ट्रपतियों जार्ज वाशिंगटन, थॉमस जैफरसन, थियोडोर रूजवेल्ट और अब्राहम लिंकन को अंकित किया गया है।

यह स्मारक 1,278 एकड़ में फैला हुआ है। इसकी देखरेख नेशनल पार्क सेवा द्वारा की जाती है जो संयुक्त राज्य अमेरिका के आंतरिकी विभाग का ब्यूरो है। इस स्मारक को वर्ष में लगभग 2 मिलियन लोग देखने आते हैं। पर्वत पर बनाए गए इस स्मारक को लकोटा सिउक्स भी कहा जाता है क्योंकि इसमें छह राष्ट्रपतियों मूर्तियाँ उकेरी गई हैं। बाद में इसका नाम न्यूयार्क के एक जाने-माने वकील चार्ल्स ई रशमोर के नाम पर रखा गया। असल में रशमोर पर्वत में इस तरह की कलाकृति उकेरने का उद्देश्य दक्षिणी डकोटा की ब्लैक हिल्स में पर्यटकों का आकर्षण बढ़ाना था। कॉंग्रेस के प्रतिनिधि मंडल और राष्ट्रपति केल्विन कूलिज के बीच लंबे समझौते के बाद यह प्रोजेक्ट प्रारंभ हो पाया। मूर्तिकार गुट्जन बोर्गलम के निर्देशन में 1927 में काम शुरु हुआ और 1941 में बनकर तैयार हुआ।

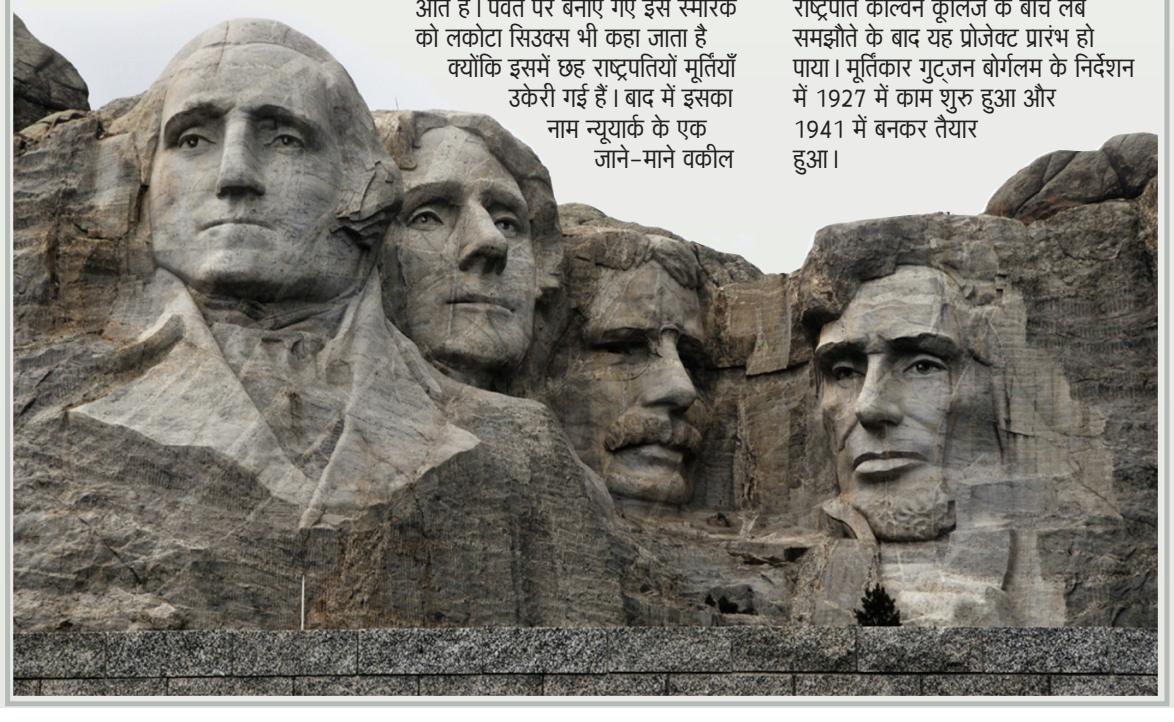

दक्षिण व मध्य अमेरिका में पाया जाने वाला एक स्तनधारी प्राणी जाइंट एंटइटर

इस घने बाल वाले प्राणी को एंट बियर भी कहते हैं। यह अपनी लंबी थूथन से कीटों को खाता है। इसकी सूंघने की शक्ति मनुष्य से 40 गुना अधिक होती है। यह अपनी जीभ को 18 इंच तक तेजी से बाहर निकाल सकता है। जाइंट एंटइटर दक्षिण व मध्य अमेरिका में पाया जाने वाला एक स्तनधारी प्राणी है जो अपने विचित्र मुख-आकार, थूथन और अपनी पतली व लम्बी जीभ से केवल चींटी, दीमक और अन्य छोटे कीट खाने के लिये प्रसिद्ध है। चींटीखोरों की चार जातियाँ पाई जाती हैं: सिर-से-पूँछ तक १.८ मी (५ फुट ११ इंच) लम्बा विशाल चींटीखोर, केवल ३५ सेमी (१४ इंच) लम्बा रेशमी चींटीखोर, १.२ मी (३ फुट ११ इंच) लम्बा उत्तरी तामान्दुआ और लगभग उतना ही लम्बा दक्षिणी तामान्दुआ। चींटीखोर पिलोसा नामक जीववैज्ञानिक गण में शामिल हैं जिसमें स्लॉथ भी आते हैं, यानि स्लॉथों और चींटीखोरों का आनुवंशिक (जेनेटिक) सम्बन्ध है।

वॉल मैगजीन

गर्मी की छुट्टियां खत्म हो गई थीं। सभी बच्चों के स्कूल खुल गए थे। सरगुन आठवीं कक्षा में पढ़ती थी। एक दिन असेम्बली में स्कूल की प्रिंसिपल स्वाति कपूर बोलीं, 'बच्चो, तुम सबके लिए एक बहुत अच्छी खबर है। तुम सभी ने गर्मी की छुट्टियों में बहुत कुछ नया सीखा होगा। तुम सब अपने माता-पिता के साथ घूमने भी गए होंगे। मैं चाहती हूं कि तुम सब अपने अनुभवों पर आधारित एक प्रोजेक्ट बनाकर जमा करो और जिसका प्रोजेक्ट सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे इनाम दिया जाएगा।' यह सुनकर सभी बच्चे खुशी से उछल पड़े।

प्रिंसिपल ने बच्चों को सिर्फ एक सप्ताह का समय दिया था। सभी बच्चे अपने-अपने तरीके से प्रोजेक्ट बनाने की तैयारियों में जुट गए। अचानक सरगुन की क्लास की सबसे चंचल और सुंदर लड़की गौरी बोली, 'हम सब तो कुछ न कुछ नया कर ही लेंगे, पर बेचारी सरगुन कैसे करेगी? इसके दाएं हाथ में तो केवल तीन.।' उसकी बात पूरी होती, उससे पहले ही सरगुन की बेस्ट फ्रेंड अनिंका बोली, 'गौरी, तुम्हें ऐसा नहीं बोलना चाहिए। देख लेना, सरगुन ही सबसे नई और उपयोगी वस्तु खोजेगी और तुम देखती रह जाओगी।' उसकी बात सुनकर गौरी ने मुंह चिढ़ा दिया और अपनी सीट पर बैठ गई ।

गौरी अक्सर सरगुन का मजाक उड़ाती थी। सरगुन के दाएं हाथ में केवल तीन उंगलियां थीं। उसकी दो उंगुलियां दो साल पहले एक एक्सीडेंट में बुरी तरह मसल गई थीं, इसलिए अब उसके दाएं हाथ में केवल तीन उंगलियां रह गई थीं। शुरुआत में सरगुन को अपना काम करने में थोड़ी परेशानी हुई, लेकिन फिर धीरे-धीरे उसे आदत पड़ गई। अब तो उसे ऐसा महसूस ही नहीं होता था कि उसकी दो उंगलियां नहीं हैं। सभी बच्चे अपना-अपना प्रोजेक्ट बनाने में लगे हुए थे। प्रिंसिपल ने बच्चों को ग्रुप में प्रोजेक्ट बनाने की अनुमति दे दी थी, इसलिए सरगुन, अनिंका और कुछ अन्य छात्रों के साथ अपना प्रोजेक्ट बनाने में लगी हुई थी। किसी ने भी अपने प्रोजेक्ट की खबर किसी को नहीं होने दी थी। प्रोजेक्ट जमा कराने से एक दिन पहले सभी बच्चे इस बात को लेकर आश्वस्त थे कि उनका प्रोजेक्ट ही बेस्ट होगा। अगले दिन अचानक तेज बारिश होने लगी। सभी बच्चे स्कूल बड़ी मुश्किलों से अपने-अपने प्रोजेक्ट लेकर पहुंचे। स्कूल पहुंचकर सभी ने अपने-अपने प्रोजेक्ट निकाले। गौरी ने अपने सुंदर चित्रों से तैयार किए गए प्रोजेक्ट को निकाला तो यह देखकर उसके होश उड़ गए कि सारे चित्रों में न जाने कैसे पानी की बूंदें पड़ गई थीं। केवल दो-तीन चित्र ही साफ बचे थे, बाकी सभी में बड़े-बड़े धब्बे बन गए थे। यह देखकर गौरी खुद पर काबू नहीं रख पाई और रोने लगी। उसके रोने पर किसी का ध्यान नहीं गया। सभी अपने प्रोजेक्ट को सजाने-संवारने में जुटे थे।

अचानक सरगुन ने उसके कंधे पर हाथ रखा और बोली, 'गौरी, तुम्हें परेशान होने की जरूरत नहीं है। तुम मेरे ग्रुप में शामिल हो जाओ । इससे तुम्हारे मार्क्स नहीं कटेंगे।' यह सुनकर गौरी को थोड़ी सांत्वना मिली। उसने अपने साफ चित्र सरगुन को देते हुए कहा, 'मेरे पास तो केवल ये हैं, तुम इन्हें अपने प्रोजेक्ट में कहीं प्रयोग कर सको तो अच्छा होगा।' सरगुन बोली, 'बिल्कुल गौरी, तुम्हारे चित्र मेरे प्रोजेक्ट को और सुंदर बना देंगे।' इसके बाद गौरी सरगुन के ग्रुप में शामिल हो गई। सभी बच्चों ने अपने-अपने प्रोजेक्ट जमा करा दिए।

आखिर परिणाम का दिन भी आ गया। सभी बच्चे असेम्बली में खड़े हुए थे और बेसब्री से परिणाम का इंतजार कर रहे थे। अचानक मंच पर प्रिंसिपल आईं और बोलीं, 'सभी बच्चों ने एक से बढ़कर एक प्रोजेक्ट बनाए हैं। लेकिन पुरस्कार तो किसी एक को ही दिया जाना था, इसलिए इस बार आठवीं कक्षा के प्रोजेक्ट 'वॉल मैगजीन' को पुरस्कार के लिए चुना गया है। इस प्रोजेक्ट की ग्रुप हेड सरगुन है और उसके ग्रुप में अर्निका, गौरी, काव्या, तन्मय व गौरांश शामिल हैं। इस मैगजीन में सामान्य ज्ञान की बातों के साथ ही कहानी, कविता, चित्रों, पहेलियों, चुटकुलों और अन्य मनोरंजक जानकारियों को भी नए तरीके से पेश किया गया है। हमने निर्णय लिया है कि स्कूल की पत्रिका में इस सामग्री को डाला जाएगा और इन सभी बच्चों को उसके सम्पादन मंडल में शामिल किया जाएगा।' यह सुनकर सरगुन के साथ ही पूरा ग्रुप उछल पड़ा। इस समय सबसे भावुक गौरी थी। वह तुरंत उठकर सरगुन के पास गई और उसके गले लगते हुए बोली, 'सरगुन, अगर तुम मेरी मदद नहीं करतीं तो मैं मदद का मूल्य कैसे जान पाती? अब मैं कभी भी किसी का मजाक नहीं उड़ाऊंगी, हर किसी की मदद करूंगी।' सरगुन गौरी के हाथ में हाथ डालकर बोली, 'गौरी अभी तो स्कूल मैगजीन को ऊंचाइयों पर ले जाना है और तुम्हारे बनाए सुंदर चित्रों के बिना यह मुश्किल है।' इसके बाद पूरा ग्रुप एकसाथ अपनी जीत की खुशी मनाने लगा ।

सूडान में आपस में लड़ रहे दो सैन्य बलों के हमले में 4 सौ की मौत, 35 सौ हुए घायल

जेनेवा । विश्व स्वास्थ्य संगठन ने शुक्रवार को बताया कि सूडानी सेना और अर्धसैनिक बलों के बीच हिंसक गृहयुद्ध में 400 से अधिक लोगों की मौत हुई है, जबकि 3500 घायल हुए हैं। यूनिसेफ ने कहा कि मृतकों में कम से कम नौ बच्चे शामिल हैं और 50 से अधिक घायल हुए हैं। विश्व खाद्य कार्यक्रम ने कहा कि हिंसा बढ़ने के कारण 10 हजार से 20 हजार लोग पड़ोसी देश चाड में शरण लेने के लिए भाग गए। मैक्सर टेक्नोलॉजीज द्वारा प्रदान की गई यह उपग्रह छवि सूडान के खार्तूम में सूडानी सशस्त्र बलों के मुख्यालय भवन के जले हुए और भारी क्षतिग्रस्त को दिखाती है। लड़ाई पिछले हफ्ते शनिवार को शुरू हुई थी और तब से यह और बढ़ती ही गई है। 2021 में एक साथ सत्ता हथियाने के बाद अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स और सूडानी सेना के बीच तनाव बढ़ने लगा था। यह तस्वीर सूडान के खार्तूम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की है। फ्लाइट पूरी तरह से जलकर राख हो गई हैं। सैन्य मुख्यालय के पास लगातार गोलाबारी होने की आवाज सुनाई दे रही। हिंसा समाप्त करने के लिए सूडान पर कूटनीतिक दबाव भी बढ़ रहा है।

अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने 'मिफेप्रिस्टोन' लगा प्रतिबंध हटाया

वाशिंगटन । अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने गर्भपात के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवा 'मिफेप्रिस्टोन' पर प्रतिबंध लगाने के निचली अदालत के आदेश पर रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन और 'मिफेप्रिस्टोन' के दवा निर्माता न्यूयॉर्क स्थित डांको लैबोरेटरीज के आपात अनुरोधों को मंजूर कर लिया। उन्होंने निचली अदालत के उस फैसले के खिलाफ अपील की थी जिसमें 'मिफेप्रिस्टोन' को खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा दी गई स्वीकृति को रद्द कर दिया गया था। अमेरिका में 2000 से इस दवा का इस्तेमाल किया जा रहा है और 50 लाख से अधिक महिलाओं ने इसका इस्तेमाल किया है। 'मिफेप्रिस्टोन' को मिसोप्रोस्टोल नामक एक अन्य दवा के साथ लिया जाता है और अमेरिका में आधे से अधिक गर्भपात इसी दवा के जरिए होते हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश से 'मिफेप्रिस्टोन' के इस्तेमाल पर कम से कम अगले साल तक कोई रोक नहीं रहेगी जब तक कि इसके खिलाफ अपीलों पर फैसला नहीं आता है। इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की जा सकती है। राष्ट्रपति जो बाइडन ने 'मिफेप्रिस्टोन' की उपलब्धता बरकरार रखने के लिए अदालत की तारीफ की। इस ताजा फैसले से 10 सप्ताह की गर्भवती महिलाएं सर्जिकल गर्भपात के बजाय 'मिफेप्रिस्टोन' और 'मिसोप्रोस्टोल' का इस्तेमाल कर गर्भपात करा सकती है।

शोधकर्ताओं ने खोला बड़ा राज, धरती ने खुद तैयार किए जल स्रोत

लंदन। धरती पर पानी की मौजूदगी को लेकर शोधकर्ताओं ने एक बड़ा राज खोला है। हालांकि धरती पर मौजूद बहुत सी चीजों को लेकर अब भी रहस्य बना हुआ है। इन्हीं में एक है धरती पर मौजूद पानी। अभी तक ये ठोस तौर पर स्थापित नहीं किया जा सका है कि धरती पर पानी कहां से आया? कैसे पृथ्वी पर समुद्र, महासागर, नदी और तालाबों जैसे जलस्रोत बने। अब तक हुए कई अध्ययनों में इस सवाल का जवाब तलाशने की कोशिश की गई है। शोधकर्ताओं ने अपनी-अपनी १?योरी पेश कीं। इन्हीं में कुछ शोध के मुताबिक, क्षुद्रग्रह धरती पर पानी लेकर आए। वहीं, कुछ अध्ययनों में कहा गया कि जमे हुए धूमकेतु ही धरती पर जलस्रोतों के लिए जिम्मेदार हैं। अब एक नए शोध ने इन सभी थ्योरीज को सिरे से खारिज कर दिया है। धरती पर पानी को लेकर किए गए नए शोध में पता चला है कि पृथ्वी ने खुद पानी तैयार किया था। कार्नेगी साइंस की रिसर्च के मुताबिक, धरती पर पानी गहरे अंतरिक्ष से नहीं आया। इसके लिए क्षुद्रग्रह किसी भी तरह से जिम्मेदार नहीं थे। शोध के मुताबिक जब हमारा ग्रह पृथ्वी धीरे-धीरे बन रहा था तो उस समय वायुमंडल में हाइड्रोजन प्रचुर मात्रा में मौजूद थी। धरती के हाइड्रोजन से भरपूर वायुमंडल और मैग्मा महासागरों के बीच रासायनिक क्रिया हुई, जिससे पानी तैयार हुआ। शोध रिपोर्ट में बताया गया है कि धरती ने खुद अपने लिए पानी तैयार किया। वैज्ञानिक अनत शार, एडवर्ड यंग और हिल्के शिलिंग की रिसर्च एक्सोप्लैनेट पर आधारित है। कार्नेगी साइंस की रिसर्च के मुताबिक, पृथ्वी के अस्तित्व के शुरुआती दौर में मैग्मा महासागर और हाइड्रोजन प्रोटो-वायुमंडल के बीच क्रिया से पानी निकला होगा। शार ने बताया कि एक्सोप्लैनेट की खोजों ने हमें बताया कि ग्रह के बनने से लाखों साल पहले के वायुमंडल में हाइड्रोजन होना आम बात थी। नई स्टडी बताती है कि गहरे अंतरिक्ष से धरती पर पानी आने की थ्योरी गलत है। अब तक यही दावा किया जाता रहा है कि धरती पर अधिकांश पानी के लिए क्षुद्रग्रह का टकराना जिम्मेदार है।

तालिबान ने फिर सुनाया महिला विरोधी फरमान, ईद समारोह में भाग लेने पर लगा दिया प्रतिबंध

तालिबान ने अफगानिस्तान के दो प्रांतों में महिलाओं के ईद समारोह में शामिल होने पर रोक लगा दी है। देश के बगलान और ताखर प्रांतों में अधिकारियों ने महिलाओं को ईद उल-फितर के दिनों में समूहों में बाहर नहीं निकलने का आदेश दिया। हालांकि अभी दो प्रांतों ने ही निर्देश जारी किए हैं। इससे पहले तालिबान ने अफगानिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत हेरात में बगीचों या हरे-भरे स्थानों वाले रेस्तरां में परिवारों और महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया था। यह निर्णय 卐लिंग मिश्रण卐 को रोकने और महिलाओं पर सख्त हिजाब नियमों की धज्जियां उड़ाने के लिए लिया गया था। गार्जियन ने बताया था कि तालिबान ने अफगानिस्तान के दो मुख्य शहरों में गर्भ निरोधकों की बिक्री को भी रोक दिया, यह दावा करते हुए कि महिलाओं द्वारा गर्भ निरोधकों का उपयोग मुस्लिम आबादी को नियंत्रित करने के लिए एक पश्चिमी साजिश है। स्टोर के मालिक ने गार्जियन को बताया कि वे दो बार बंदूक लेकर मेरे स्टोर पर आए और मुझे धमकी दी कि मैं गर्भनिरोधक गोलियां बिक्री के लिए न रखूं। वे नियमित रूप से काबुल में हर फार्मेसी की जांच कर रहे हैं और हमने उत्पादों को बेचना बंद कर दिया है। एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने दावा किया कि दुकानदारों को सलाह दी गई थी कि वे ऐसी सामग्री न बेचें क्योंकि यह इस्लामिक मूल्यों के विपरीत है। नजीर ने कहा कि जिन दुकानदारों ने नियमों का पालन नहीं किया, उन्होंने अपनी दुकानें बंद देखीं। उन्होंने इन खबरों का भी खंडन किया कि हेरात में इंटरनेट कैफे बंद कर दिए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अनुपयुक्त सामग्री के कारण बच्चों को गेमिंग आर्केड से रोक दिया गया था।

सरकार से वार्ता विफल होने के बाद कनाडा में डेढ़ लाख से अधिक कर्मचारी हड़ताल पर

टोरंटो । कनाडा में सरकार से वार्ता विफल होने के बाद डेढ़ लाख से अधिक कर्मचारी हड़ताल पर चले गए हैं। इससे सरकार का कामकाज प्रभावित हो रहा है। जानकारी के अनुसार इमिग्रेशन, रिफ्यूजी एंड सिटीजनशिप कनाडा (आईआरसीसी) ने घोषणा की है कि, 155,000 से अधिक कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले श्रमिक संघ द्वारा हड़ताल के बाद आवेदनों और पासपोर्ट सेवाओं के प्रसंस्करण में देरी और व्यवधान की उम्मीद की जा सकती है, जो अधिकांश सरकारी विभागों को प्रभावित करेगा। कनाडा के लोक सेवा गठबंधन (पीएसएसी), संघीय श्रमिकों का प्रतिनिधित्व करने वाला संघ, 19 अप्रैल को हड़ताल पर चला गया, जब वह मजदूरी और काम करने की अच्छी परिस्थितियों से संबंधित मुद्दों पर सरकार के साथ एक समझौते पर पहुंचने में विफल रहे। आईआरसीसी ने एक बयान में कहा, इस श्रम व्यवधान के दौरान, कुछ सेवाओं में देरी हो सकती है। साथ ही, जनता को कनाडा की सरकार की कुछ इमारतों तक पहुंचने में परेशानी हो सकती है, जहां सेवाएं प्रदान की जाती हैं। कनाडा के आव्रजन निकाय ने कहा कि आवेदनों को संसाधित करने, आव्रजन से संबंधित नियुक्तियों, ईमेल, फोन या सोशल मीडिया के माध्यम से आईआरसीसी से संपर्क करने, कांसुलर नागरिकता और पासपोर्ट सेवाओं, नागरिकता समारोहों और कनाडा में रहने के विस्तार में व्यवधान और देरी की उम्मीद की जा सकती है। हालांकि, कुछ आईआरसीसी सेवाएं, जैसे ऑनलाइन आवेदन करना, आईआरसीसी को आवेदन भेजना, अपने ऑनलाइन खातों का उपयोग करना, आपातकालीन सेवाओं तक पहुंच प्राप्त करना, श्रम व्यवधान के दौरान उपलब्ध रहेगा। इसके अलावा, गैर-सरकारी संगठनों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएं, जिनमें आईआरसीसी भागीदार संगठनों से निपटान सेवाएं, अंतरिम संघीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा, और कनाडा के बाहर वीजा आवेदन केंद्र भी उपलब्ध रहेंगे।

पुर्तगाल के लिस्बन में राजकीय यात्रा के लिए पहुंचे ब्राज़ील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला डा सिल्वा की रूस-यूक्रेन युद्ध पर स्थिति को लेकर पुर्तगाल में ब्राज़ील के दूतावास के बाहर लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया।

चीन के साथ भारत के सीमा विवाद पर हमारा रुख पहले जैसा : डोनाल्ड लू

वाशिंगटन । दक्षिण एवं मध्य एशिया मामलों के लिए अमेरिकी प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भारत और चीन के बीच बातचीत के जरिए सीमा विवाद के समाधान का समर्थन करने की बात दोहराते हुए कहा कि अमेरिका को इस बात के बेहद कम संकेत दिखते हैं कि चीन इन वार्ताओं को सही मंशा और गंभीरता से ले रहा है। दक्षिण एवं मध्य एशिया मामलों के सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू ने एक साक्षात्कार में कहा कि चीन के साथ भारत के सीमा विवाद पर हमारा रुख पहले जैसा ही है। हम दोनों देशों के बीच सीधी बातचीत के जरिए सीमा विवाद के समाधान का समर्थन करते हैं। लू ने कहा कि इसके बावजूद हमें इस बात के बेहद कम संकेत मिले हैं कि चीन सरकार सही मंशा से इन वार्ताओं को गंभीरता से ले रही है। हम जो देखते हैं वह इसके विपरीत है। हम नियमित रूप से वास्तविक नियंत्रण रेखा पर होने वाली उकसावे की घटनाओं को देख रहे हैं। विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत चीन की चुनौती के मद्देजनर अमेरिका के अपने साथ खड़े होने की उम्मीद कर सकता है। उन्होंने कहा कि हमने गलवान संकट के दौरान 2020 में उस संकल्प को दर्शाया और हम भारत के साथ सूचना साझा करने के अलावा सैन्य उपकरणों एवं अभ्यासों पर भी सहयोग के अवसर तलाशते रहे हैं।

भारत को मिलिट्री सप्लाई पर रूस ने लगाई रोक, मामला पेमेंट को लेकर अटका

रूस की तरफ से भारत को होने वाली मिलिट्री सप्लाई अब खतरे में आ गई, चीन है वजह या अमेरिका का है हाथ

न्यूर्याक (एजेंसी)। भारत और रूस की दोस्ती वर्षों पुरानी है। लेकिन इन दिनों कूटनीति कहे या मौजूदा जरूरत रूस के कट्टर दुश्मन अमेरिका से भी भारत की नजदीकियां पहले के मुकाबले काफी बढ़ी है। इसकी वजह चीन की बढ़ती विस्तारवादी मंशा और उस पर नियंत्रण के लिए अमेरिकी मुखरता की दरकार है। लेकिन भारत की रक्षा क्षेत्र से जुड़ी एक खबर सामने आई है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट ने दावा किया है कि भारत और रूस एक समान पेमेंट सिस्टम को तलाशने के लिए इन दिनों संघर्ष कर रहे हैं। सूत्रों की मानें तो दोनों देश चाहते हैं कि पेमेंट सिस्टम ऐसा हो जो अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन न करे। पिछले एक साल से करीब दो अरब डॉलर की पेमेंट अटकी हुई है और अब ऐसे में रूस ने सप्लाई रोक दी है।

रूस की तरफ से रोकी गई सप्लाई में करीब 10 अरब डॉलर की कीमल वाले स्पेयर पार्ट्स के अलावा एस 400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की दो बैटरीज भी शामिल है। भारत अभी तक अमेरिकी डॉलर्स में बिल का भुगतान करने में असमर्थ रहा है। उसे प्रतिबंधों की चिंता है जबकि रूस का कहना है कि वो रुपए में पेमेंट स्वीकार नहीं कर सकता है। हथियारों के लिए भुगतान का मुद्दा सुलझाना काफी जरूरी हो गया है। भारतीय सेनाएं इस समय 250 से ज्यादा सुखोई-30 एमकेआई हैं जो रूस में बने फाइटर जेट्स हैं। इसके

अलावा सात किलो-श्रेणी की पनडुब्बियां और 1,200 से ज्यादा रूसी में बने टी-90 टैंक ऑपरेट करती हैं।

इससे पहले पुतिन और जिनपिंग की मुलाकात के बाद अचानक खबर आई थी कि भारत को एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम के पांचों स्कार्डन की डिलीवरी समय पर पूरी नहीं हो पाएगी। रूस ने अब भारत को लिखित में बताया है कि वो 2024 तक सभी सिस्टम नहीं दे पाएगा। अभी तक भारत को एस-400 के तीन स्कावर्डन मिल चुके हैं। भारत ने 2018 में 5.4 बिलियन डॉलर में खरीदी गई एस-400 ट्रायम्फ वायु रक्षा प्रणाली की डिलीवरी भी शामिल है। मास्को में आर्मी एक्सपो में बोलते हुए रूस के रोसोबोरोनेक्सपोर्ट के सीईओ, अलेक्जेंडर मिखेयेव ने पिछले साल अगस्त में कहा था कि वे 2023 के अंत तक भारत को सभी पांच एस-400 रेजिमेंट वितरित कर देंगे।

बिलावल के भारत दौरे को इमरान खान की पार्टी ने बताया अंतर्राष्ट्रीय साजिश

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी के भारत दौरे को इमरान खान की पार्टी ने अंतर्राष्ट्रीय साजिश करार दिया है। गौरतलब है कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी अगले महीने भारत आ रहे हैं, जहां वे शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में भाग लेंगे। इस खबर के आने के साथ ही उनके ही देश में अब इसको लेकर

वाकयुद्ध शुरू हो गया है। बिलावल भुट्टो जरदारी की भारत यात्रा को विपक्ष ने अंतर्राष्ट्रीय साजिश करार दिया है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के वरिष्ठ नेता फवाद चौधरी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में भुट्टो की बहुप्रतीक्षित यात्रा की आलोचना की और दावा किया कि सरकार अंतर्राष्ट्रीय एजेंडे के निर्देश पर काम कर रही है। उनके अनुसार, पड़ोसी देश के साथ अच्छे संबंध बनाना एक वैश्विक एजेंडा है और इसे वर्तमान सरकार पर थोपा गया है।

अपनी प्रतिक्रिया में फवाद चौधरी ने कहा कि बिलावल भुट्टो की भारत यात्रा कश्मीरियों के संघर्ष की पीठ में छुरा घोंपने जैसी है। कश्मीर के मुद्दे को दफनाना और भारत के साथ संबंध बनाना उस अंतरराष्ट्रीय एजेंडे का हिस्सा है, जिसके तहत इस सरकार को पाकिस्तान पर थोपा गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि इमरान खान की पार्टी का बयान इस तथ्य के बावजूद आया कि जब वह प्रधानमंत्री थे तब वह नई दिल्ली के साथ संबंध बनाना चाहते थे। बता दें कि भारत के गोवा में 4-5 मई, 2023 को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की विदेश मंत्री परिषद (सीएफएम) की बैठक आयोजित की जा रही है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जेहरा ने कहा कि बिलावल भुट्टो जरदारी भारत के गोवा में होने वाली एससीओ विदेश मंत्री परिषद (सीएफएम) की बैठक में पाकिस्तान के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे।

अंतरिक्ष में भेजे गए बीज वापस धरती पर लौटे, वैज्ञानिकों ने कहा अच्छी होगी पैदावार

सैन फ्रांसिस्को(एजेंसी) पृथ्वी पर बदलते मौसम की मार के अनुरूप फसलों को ढालने के एक प्रयास में पिछले साल अंतरिक्ष में भेजे गए बीज वापस पृथ्वी पर लौट आए हैं। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी और संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन के संयुक्त प्रयासों से बीज को अंतरिक्ष में भेजा गया था, ताकि लचीली फसलें विकसित की जा सकें जो पर्याप्त भोजन प्रदान करने में मदद कर सकें।

वैज्ञानिकों के अनुसार पौधे स्वाभाविक रूप से अपने परिवेश में पनपने के लिए विकसित होते हैं, लेकिन फसलें जलवायु परिवर्तन की वर्तमान गति के साथ तालमेल बिठाने के लिए संघर्ष कर रही हैं। दुनिया गर्म है और वैश्विक आबादी बढ़ रही है, जिससे दुनिया भर के किसानों को भोजन की मांग को पूरा करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। इन किसानों का समर्थन करने और वैश्विक खाद्य सुरक्षा में सुधार करने के लिए, आईएईए और एफएओ ने अपने संयुक्त एफएओ/आईएईए सेंटर ऑफ न्यूक्लियर टेक्निक्स इन फूड एंड एग्रीकल्चर के माध्यम से बीजों को अंतरिक्ष में भेजा ताकि बहुत से प्राकृतिक, आनुवंशिक अनुकूलन को तेज करने पर ब्रह्मांडीय विकिरण के प्रभावों का पता लगाया जा सके।

7 नवंबर 2022 को नासा की वॉलॉप्स फ्लाइट सुविधा से इस मिशन को लांच किया गया, जहां अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में अरबिडोप्सिस और सोरघम बीजों को पांच माह के लिए रखा गया। अब वे ऑस्ट्रिया के सीबर्सडॉर्फ में संयुक्त एफएओ/आईएईए सेंटर ऑफ न्यूक्लियर टेक्निक्स इन फूड एंड एग्रीकल्चर की प्रयोगशालाओं में वापस अपनी यात्रा शुरू करने वाले हैं, जहां उनकी जांच की जाएगी और वांछनीय लक्षणों के लिए उनका विश्लेषण किया जाएगा। यहां बीजों को एक फाइटोसैनिटरी आयात प्रक्रिया से गुजरना होगा जो कीटों से संबंधित एक आवश्यक मानक है।

सितंबर में भारत की यात्रा पर आएंगे जो बाइडेन, अमेरिका बोला- संबंधों के लिहाज से 2024 है बहुत अहम

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन सितंबर में भारत की यात्रा कर सकते हैं। दक्षिण और मध्य एशिया के लिए बाइडेन प्रशासन के एक प्रमुख व्यक्ति ने कहा है कि 2024 भारत-अमेरिका संबंधों के लिए एक बड़ा वर्ष होने जा रहा है। अधिकारी ने कहा कि जी-20 में भारत का नेतृत्व दुनिया में अच्छाई की ताकत के रूप में खड़े होने की उसकी क्षमता को और बढ़ाता है। यह एक बड़ा साल होने वाला है। बेशक, भारत जी-20 की मेजबानी कर रहा है। इस वर्ष, संयुक्त राज्य अमेरिका एपेक की मेजबानी कर रहा है। जापान जी7 की मेजबानी कर रहा है। हमारे बहुत सारे क्वाड सदस्य हैं जो नेतृत्व की भूमिका निभा रहे हैं। और यह हम सभी को अपने देशों को करीब लाने का अवसर प्रदान करता है।

उन्होंने कहा कि मुझे पता है कि हमारे राष्ट्रपति

सितंबर में भारत की यात्रा के लिए उत्सुक हैं। जी-20 लीडर्स समिट के हिस्से के रूप में यह उनकी पहली भारत यात्रा होगी। हम वास्तव में उत्साहित हैं कि अगले कुछ महीनों में क्या आने वाला है। हम इस नए साल में केवल तीन महीने से थोड़ा अधिक हैं। और हमारे पास वास्तव में कई रोमांचक चीजें हुई हैं। इसमें सेक्रेटरी ऑफ स्टेट टोनी ब्लिंकेन, ट्रेजरी सेक्रेटरी जेनेट येलेन और कॉमर्स सेक्रेटरी जीना रायमोंडो की भारत यात्रा शामिल है। दिल्ली में भारत-अमेरिका फोरम में प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

जी-20 के अध्यक्ष के रूप में भारत जी-20 के सकारात्मक एजेंडे को आगे बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। मार्च में डॉ जयशंकर ने सभी चार विदेश मंत्रियों के साथ रायसीना डायलॉग में एक मंत्रिस्तरीय बैठक और असाधारण सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए अपने क्वाड समकक्षों की मेजबानी की। उन्होंने कहा कि यह क्वाड के विदेश मंत्रियों के साथ इस तरह की पहली सार्वजनिक चर्चा थी और वास्तव में यह बताया कि कैसे हमारे चार देश इंडो-पैसिफिक के लोगों का समर्थन करने के लिए एक साथ आ रहे हैं।

न्यूयॉर्क में लाखों चूहों से कोरोना वायरस के फैलने का खतरा बढ़ा

वॉशिंगटन । अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में लंबे समय से चूहों से निजात पाने का उपाय खोजा जा रहा है। एक स्टडी ने चौंकाने वाला दावा किया है। स्टडी ने बताया कि लाखों चूहों से कोरोना वायरस के फैलने का खतरा बढ़ गया है। मिसौरी विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने इस पर स्टडी की है। शोधकर्ताओं के अनुसार अगर इतने बड़ी तादाद में चूहे संक्रमित हुए तो शहर की आबादी दोबारा कोरोना की चपेट में आ जाएगी। मीडिया के अनुसार बिग एप्पल यानी न्यूयॉर्क में लगभग आठ मिलियन जंगली चूहे हैं और वे अमेरिका के अन्य शहरों में भी व्यापक रूप से फैले हुए हैं। इस स्टडी को अमेरिकन सोसाइटी फॉर माइक्रोबायोलॉजी के एमबायो जर्नल में प्रकाशित किया गया है।

मुस्लिम, हिंदू, सिख और यहूदी, ब्रिटिश सम्राट की ताजपोशी में गैर-ईसाई लोगों की पहली भागीदारी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। 70 साल के शासन के बाद पिछले सितंबर में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की 96 साल की उम्र में मृत्यु हो जाने के बाद 74 वर्षीय चार्ल्स ने ब्रिटेन की गद्दी संभाली। 900 से अधिक वर्षों से चली आ रही परंपरा में आगामी 6 मई को लंदन के वेस्टमिंस्टर एब्बे में चार्ल्स की औपचारिक ताजपोशी के साथ तीन दिनों के कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ऐतिहासिक समारोह में अन्य धर्मों को भी शामिल करने की तैयारी है। मुस्लिम, हिंदू, सिख और यहूदी साथी वेस्टमिंस्टर एब्बे में समारोह के दौरान वहां मौजूद होंगे।

यदि ऐसा किया जाता है, तो यह एक ब्रिटिश सम्राट की ताजपोशी में गैर-ईसाई लोगों की पहली भागीदारी होगी। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि हाउस ऑफ लॉर्ड्स के चार सदस्यों के साथ मुख्य समारोह का हिस्सा होंगे और मुस्लिम, हिंदू, सिख और यहूदी समुदाय के सदस्य भी मौजूद रहेंगे। टाइम्स के अनुसार, राज्याभिषेक समारोह में विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधि ब्रिटेन के बदलते जनसांख्यिकी को दर्शाने

का एक प्रयास है।

हालांकि, डेली मेल ने पहले बताया था कि चर्च के नेता किंग चार्ल्स के राज्याभिषेक समारोह में अन्य विश्वास नेताओं की भूमिका का विरोध कर रहे हैं, यह कहते हुए कि यह पारंपरिक रूप से एक एंग्लिकन समारोह है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि किंग चार्ल्स एक अलग समारोह भी आयोजित कर सकते हैं जिसमें अन्य धार्मिक नेता सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

चीन के भारत के साथ वार्ता को गंभीरता से लेने के कुछ खास संकेत नजर नहीं आते : यूएस

न्यूर्याक (एजेंसी)। दक्षिण एवं मध्य एशिया मामलों के लिए अमेरिकी प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भारत और चीन के बीच बातचीत के जरिए सीमा विवाद के समाधान का समर्थन करने की बात दोहराते हुए कहा कि अमेरिका को इस बात के बेहद कम संकेत दिखते हैं कि चीन इन वार्ताओं को सही मंशा और गंभीरता से ले रहा है। दक्षिण एवं मध्य एशिया मामलों के सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, '' चीन के साथ भारत के सीमा विवाद पर हमारा रुख पहले जैसा ही है। हम दोनों देशों के बीच सीधी बातचीत के जरिए सीमा विवाद के समाधान का समर्थन करते हैं।'' लू ने कहा, '' इसके बावजूद हमें इस बात के बेहद कम संकेत मिले हैं कि चीन सरकार सही मंशा से इन वार्ताओं को गंभीरता से ले रही है। हम जो देखते हैं वह इसके विपरीत है। हम नियमित रूप से वास्तविक नियंत्रण रेखा पर होने वाली उकसावे की घटनाओं को देख रहे हैं।'' विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत चीन की चुनौती के मद्देजनर अमेरिका के अपने साथ खड़े होने की उम्मीद कर सकता है। उन्होंने कहा, '' हमने गलवान संकट के दौरान 2020 में उस संकल्प को दर्शाया और हम भारत के साथ सूचना साझा करने के अलावा सैन्य उपकरणों एवं अभ्यासों पर भी सहयोग के अवसर तलाशते रहे हैं।

गंगोत्री-यमुनोत्री मंदिर कपाट खुलने के साथ चारधाम यात्रा की हुई शुरुआत

-दर्शनार्थियों की अधिकतम दैनिक संख्या में कोई कटौती नहीं, सरकार ने अपना आदेश वापस लिया

देहरादून । अक्षय तृतीया के पर्व पर गंगोत्री और यमुनोत्री मंदिर के कपाट खुलने के साथ इस साल की चारधाम यात्रा की शुरुआत हो गयी है। इस बीच, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हिमालयी धामों में दर्शनार्थियों की अधिकतम दैनिक संख्या तय करने संबंधी अपना निर्णय भी वापस ले लिया है। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने पहले चारों हिमालयी धामों बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री में श्रद्धालुओं की अधिकतम दैनिक संख्या निर्धारित करने का फैसला लिया था लेकिन तीर्थ पुरोहित और टूर ऑपरेटर इस निर्णय को वापस लेने का दबाव बना रहे थे। इसलिए अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी द्वारा जारी एक आदेश में कहा गया है कि मुख्यमंत्री द्वारा निर्णय लिया गया है कि चारधाम यात्रा के दौरान प्रत्येक धाम में श्रद्धालुओं की संख्या प्रतिदिन के लिए सीमित रखने के संबंध में पूर्व में लिए गए निर्णय को वापस लिया जाता है। हालांकि, आदेश में यह स्पष्ट किया गया है कि यात्रियों की ट्रैकिंग में मददगार पंजीकरण की ऑनलाइन और ऑफलाइन प्रक्रिया जारी रहेगी। आदेश में यह भी कहा गया है कि यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा को ध्यान में रखकर भीड़ को नियंत्रित करने हेतु आवश्यकतानुसार व्यवस्था की जाएगी। जानकारी के अनुसार उत्तरकाशी जिले में स्थित गंगोत्री और यमुनोत्री के कपाट आज से खुल गये हैं। गढ़वाल हिमालय के चारधामों में से दो अन्य धाम, केदारनाथ के कपाट 25 अप्रैल को और बदरीनाथ के कपाट 27 अप्रैल को खुलेंगे। दरअसल सर्दियों में भारी बर्फबारी और भीषण ठंड के कारण हर साल चारों धामों के कपाट श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिए जाते हैं जो छह माह बाद अगले साल गर्मियों में खुलते हैं। मुख्यमंत्री ने चारधाम श्रद्धालुओं का माल्यार्पण कर स्वागत किया तथा उन्हें लेकर जा रही बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इधर ऋषिकेश में आयोजित ऋषिकेश से चारधाम यात्रा- 2023 कार्यक्रम में सीएम धामी ने चारों धामों के देवी-देवताओं बाबा केदार, बदरीविशाल, मां गंगोत्री और मां यमुनोत्री से विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी यात्रा के धूमधाम एवं कुशलतापूर्वक संपन्न होने की प्रार्थना की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि इस बार सरकार की तरफ से चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं के स्वागत में हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा करने का भी निर्णय लिया गया है। चारधाम यात्रा को उत्तराखंड के लिए एक उत्सव बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देश-विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु राज्य में आते हैं जिससे रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। इस वर्ष अभी तक 16 लाख लोगों द्वारा पंजीकरण करवाया है और सरकार प्रत्येक श्रद्धालु की यात्रा सुगम और शत-प्रतिशत सुरक्षित करने में जुटी है। इस बीच, उत्तरकाशी जिले में गंगोत्री मंदिर और यमुनोत्री मंदिर के कपाट हवन और वैदिक मंत्रोच्चार के बाद खुल गए। शनिवार दोपहर बाद 12:35 पर गंगोत्री के कपाट खुले जबकि 12:41 पर यमुनोत्री के कपाट खुले। दोनों धामों में श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया है।

बसवा जयंती समारोह में शामिल होंगे राहुल गांधी, लिंगायतों को साधेंगे

बेंगलुरु । कांग्रेस ने 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले लिंगायत समुदाय तक अपनी पहुंच बढ़ाने की हर संभव कोशिश शुरू कर दी है। इसके लिए राज्य के बागलकोट जिले के कुडाला संगमा में बसवा जयंती समारोह में भाग लेने के लिए राहुल गांधी को शामिल किया है। बसवा जयंती 23 अप्रैल को राज्य भर में लिंगायत समुदाय द्वारा एक त्योहार के रूप में मनाया जाता है। सूत्रों ने शनिवार को यहां बताया कि कांग्रेस, जो भाजपा के वरिष्ठ लिंगायत नेताओं जगदीश शेट्टार और लक्ष्मण सावदी के शामिल होने के बाद भाजपा के लिंगायत वोट बैंक को तोड़ने के लिए उत्साहित है, इस अवसर पर समुदाय को लुभाने के लिए तैयार है। गुरु बसवन्ना जो कि 12वीं शताब्दी के समाज सुधारक माने जाते हैं, जिन्होंने लिंगायत धर्म की स्थापना की। उनकी समाधि कुडाल संगम में स्थित है। जहां पर कांग्रेस कार्यक्रम के जरिए यह संकेत देना चाहती है कि वह लिंगायतों के साथ है। सूत्रों के मुताबिक, कार्यक्रम का आयोजन किसी संगठन ने किया है न कि पार्टी ने। केपीसीसी प्रचार अभियान के अध्यक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एम.बी. पाटिल ने राहुल गांधी की मेजबानी और कार्यक्रमों के आयोजन की सभी प्रमुख जिम्मेदारियां संभाली हैं। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष संगमेश्वर मंदिर और बासवन्ना की समाधि जाएंगे। बाद में उनका कार्यक्रम स्थल पर आयोजित बसवा जयंती कार्यक्रम में हिस्सा लेने का कार्यक्रम है। सूत्रों ने बताया कि समुदाय को संदेश भेजने के लिए कांग्रेस के सभी लिंगायत नेता राहुल गांधी के साथ कार्यक्रम में भाग लेंगे।

देश में एक बार फिर बढ़े कोरोना के मरीज, 12193 नए मामले आए 67 हजार से ज्यादा एक्टिव केस

नई दिल्ली । देश में एक दिन बाद ही कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बीते 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के कुल 12,193 मामले दर्ज किए गए हैं। इससे पहले, शुक्रवार को कुल 11,692 नए मामले सामने आए थे। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि कोरोना के एक्टिव केस बढ़कर अब 67,556 हो गए हैं। 21 अप्रैल को सक्रिय मरीजों की संख्या 66,170 थी। 24 घंटे में कोरोना से 10,765 मरीज रिकवर हुए हैं। अब तक 4 करोड़ 42 लाख 83 हजार 21 लोग कोरोना से ठीक हो चुके हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, बीते 24 घंटे में कोरोना से 42 मरीजों की जान गई है। देश में कोरोना से अब तक कुल 5 लाख 31 हजार 300 लोगों की जान जा चुकी है। देश में अब तक कोरोना के कुल 4 करोड़ 48 लाख 81 हजार 877 मामले सामने आ चुके हैं। देश में कोरोना वैक्सीन की अब तक 220.66 करोड़ से ज्यादा डोज लग चुकी है। 102.74 करोड़ से ज्यादा लोगों को पहली डोज लगी है। 95.19 करोड़ से ज्यादा दूसरी खुराक दी जा चुकी है। इसके अलावा 22.72 करोड़ से ज्यादा लोगों को प्रीकाशन डोज भी लग चुकी है।

कपिल सांगवान गैंग के छह सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस ने 14 अप्रैल को द्वारका में शहर के भाजपा नेता सुरेंद्र मटियाला की हत्या के मामले में कपिल सांगवान गिरोह के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जिसमें दो नाबालिग भी शामिल हैं। आरोपियों की पहचान हरियाणा के बहादुरगढ़ निवासी सोहित उर्फ सचिन (25), योगेश कुमार (30), दिल्ली की पालम कॉलोनी निवासी अरुण चंद (19) और दीपक बेरवा (19) के रूप में हुई है। 14 अप्रैल को, दो अज्ञात लोगों ने भाजपा यूनिट के नजफगढ़ किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष सुरेंद्र के कार्यालय में प्रवेश कर उन पर गोलियां चलाईं, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस उपायुक्त (द्वारका) एम हर्षवर्धन ने कहा कि अपराधियों की पहचान के लिए कई सीसीटीवी कैमरों का विश्लेषण किया गया और टीम ने चार संदिग्धों पर ध्यान केंद्रित किया, जिनमें से दो ने मृतक पर गोली चलाई थी, जबकि अन्य दो भी घटनास्थल के पास बाइक पर मौजूद थे। एक बाइक द्वारका साउथ इलाके से चोरी हुई पाई गई। एक टीम ने उस जगह के सीसीटीवी फुटेज का भी विश्लेषण करना शुरू किया, जहां से उक्त बाइक चोरी हुई थी, जिससे अरुण, दीपक और दो किशोरों की पहचान हुई। ह्यूमन इंटेलिजेंस और टेक्निकल सर्विलांस से खुलासा हुआ कि फरार अपराधी कपिल सांगवान इस हत्याकांड का मुख्य साजिशकर्ता था। डीसीपी ने कहा, सांगवान ने रोहित के साथ मिलकर इस हत्या की साजिश रची। रोहित ने अपने भाई सोहित, योगेश और अन्य को पूरी साजिश में शामिल किया। रोहित ने कथित तौर पर राजस्थान के दो अपराधियों को भी इस घटना को अंजाम देने के लिए शामिल किया।

बस और ट्रक की जबरदस्त भिड़ंत में 7 लोगों की मौत

-यूपी के अयोध्या जिले में गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भीषण हादसा

अयोध्या । उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले में गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार की रात बस और ट्रक की टक्कर में बस सवार 7 लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि 40 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना उस समय हुई जब फैजाबाद की ओर से आ रही एक निजी यात्री बस अंबेडकर नगर की तरफ जाने के लिए लखनऊ गोरखपुर राजमार्ग पर बने एक कट से मुड़ने के क्रम में सामने से आ रहे एक ट्रक से भिड़ गई। उनहोंने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक पलट गया और बस उस ट्रक के नीचे आ गई। दुर्घटना की सूचना पाकर पुलिस प्रशासन तत्काल मौके पर पहुंचा।

राजीव गांधी के किस्से का जिक्र कर शाह ने कहा हम उनके जैसें नहीं

– राजीव ने एयरपोर्ट से सीएम बदलने का ऐलान किया था

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को एक कार्यक्रम में शिरकत कर दावा किया कि बीजेपी विधानसभा में पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि मैं कांग्रेस के नेताओं को चैलेंज करना चाहता हूं कि आपके समय में सरकारों ने राज्य को कितना पैसा दिया था और हमारी सरकार के समय कितना पैसा दिया गया। पुराने किस्से का जिक्र कर केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा, हम राजीव गांधी की तरह नहीं है, जब एयरपोर्ट पर वीरेंद्र पाटिल को बदल दिया था कि कल से पाटिल मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे, ऐसा हम नहीं कर सकते हैं।

शाह ने कहा, कांग्रेस अगर ये मानती है कि वहां शेट्टार जी के वहां जानने से जीतती है, तब कांग्रेस स्वीकार करती है कि वहां अकेले जीतने की स्थिति में नहीं है। हमारा कोई वोट बैंक कहीं नहीं गया है, भाजपा एकजुट है और पूरी बहुमत से सरकार बनाएगी। पार्टी जब कठोर फैसले लेती है, तब कई बार नेता उस स्वीकार करती है और कई नेता चले जाते हैं। पीएफआई के मुद्दे का जिक्र कर शाह ने कहा, जिस प्रकार पीएफआई की वजह से यहां हिंसा हो रही थी, हमारे कार्यकर्ता की हत्या हो गई थी। हमारी सरकार ने कठोरता दिखाई इसका परिणाम भी दिखा और लोग अब सुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

शाह ने जिसे किस्से का जिक्र किया हम उसके बारे में बताते हैं। दरअसल, राममंदिर आंदोलन के दौरान कांग्रेस की कमान राजीव गांधी के हाथों में थी, तब कर्नाटक की सत्ता पर वीरेंद्र पाटिल काबिज थे। भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी राममंदिर के पक्ष में समर्थन जुटाने के लिए गुजरात के सोमनाथ से अयोध्या तक के लिए राम रथ यात्रा कर रहे थे। रथ यात्रा के शुरू हुए एक सप्ताह गुजरा था कि कर्नाटक सांप्रदायिक दंगे की चपेट में आ चुका था।

तीन अक्टूबर 1990 को कर्नाटक के दावणगेरे के मुस्लिम बहुल इलाके में हिंदु समुदाय के लोगों ने एक शोभा यात्रा निकाली थी, जिसके चलते सांप्रदायिक दंगा भड़क उठा था। उसी वक्त चन्नापटना क्षेत्र में एक मुस्लिम लड़की को हिंदू लड़कों ने छेड़ दिया, जिसने आग में घी डालने का काम किया और दोनों समुदाय के बीच तलवारें खिंच गई थीं। दंगे में दर्जनों लोगों की मौत हो गई थी। कांग्रेस पर राजनीतिक दबाव बढ़ गया था। हालांकि, तत्कालीन सीएम पाटिल को कुछ दिनों पहले ही दिल का दौरा पड़ा था, जिसके चलते वहां बिस्तर पर थे।

कर्नाटक में उस समय कांग्रेस के सबसे बड़े मुस्लिम नेता सीके जाफर शरीफ थे, जो कर्नाटक के दंगे को लेकर कांग्रेस हाईकमान पर दबाव बना रहे थे। इसके बाद कांग्रेस अध्यक्ष के तौर पर राजीव गांधी सियासी डैमेज कंट्रोल के लिए कर्नाटक का दौरा करने के लिए पहुंचे और उनके साथ सीके जाफर शरीफ भी। कांग्रेस नेता एमबी पाटिल ने अंग्रेजी समाचार पत्र से बातचीत में बताया कि शरीफ उस वक्त राजीव गांधी के साथ थे और उन्होंने यह साफ तौर पर कहा था कि राज्य को उस व्यक्ति पर नहीं छोड़ा जा सकता जो अस्वस्थ हो।

इसके राजीव गांधी ने बेंगलुरु एयरपोर्ट पर पहुंचते ही पाटिल को मुख्यमंत्री पद से हटाने का ऐलान कर दिया। पाटिल लिंगायत समुदाय के बड़े नेता थे। इसके बाद उनकी बर्खास्तगी को विपक्षी दलों ने लिंगायत समुदाय के अपमान की तौर पर प्रचारित किया गया। हालांकि, पाटिल को हटाने के पीछे कांग्रेस कांग्रेस तर्क देती रही है कि उनके खराब स्वास्थ्य की वजह से उन्हें आराम देने के लिए ही पद से हटाया गया था, तब दूसरी ओर कहा गया कि पाटिल के बीमार होने के बावजूद राजीव गांधी ने लिंगायत नेता से मिलना मुनासिब नहीं समझा।

साल 1989 में जब राजीव गांधी ने केंद्र में सत्ता खो दी थी, तब पाटिल ने कर्नाटक में जनता दल के रामकृष्ण हेगड़े और जनता पार्टी के एचडी देवगौड़ा दोनों को हराकर पार्टी को बड़ी जीत दिलाई थी। हेगड़े लिंगायतों के सबसे बड़े नेता थे, लेकिन वीरेंद्र पाटिल के चलते लिंगायत समुदाय ने कांग्रेस को एकमुश्त वोट दिया था।

महात्मा गांधी के हत्यारें के नक्शेकदम पर चल रहे थे अतीक के हत्यारे : ओवैसी

हैदराबाद (ईएमएस)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में माफिया एवं पूर्व सांसद अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की गोली मारकर हत्या करने वाले तीनों युवक महात्मा गांधी के हत्यारे नाथुराम गोडसे के नक्शेकदम पर चल रहे थे। ओवैसी ने अतीक और अशरफ के हत्यारों को आतंकवादी' करार दिया, जो एक एक आतंकवादी गुट का हिस्सा थे। हैदराबाद में एक सभा को संबोधित करते हुए एआईएमआईएम प्रमुख ने सवाल किया कि अतीक और अशरफ के हत्यारों पर गैर-कानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) क्यों नहीं लागू किया गया। उन्होंने पुलिस हिरासत में अतीक और उसके भाई की हत्या को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा। ओवैसी ने कहा कि मीडिया में प्रकाशित खबरों में आरोपियों को गरीब परिवार का बताया गया है, ऐसे में उन्हें आश्चर्य होता है कि इन लोगों के पास आठ-आठ लाख रुपए की रिवाल्वर कैसे पहुंची। एआईएमआईएम प्रमुख ने एक मीडिया रिपोर्ट का जिक्र किया, जिसमें एक पुलिस अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि अतीक और अशरफ की हत्या से पहले अपराधियों को कम से कम एक महीने तक प्रशिक्षण दिया गया था। उन्होंने कहा ?कि इससे स्पष्ट है कि उन्हें पूरा अभ्यास कराया गया था। इससे स्पष्ट है कि तीनों हत्यारे गोडसे के उत्तराधिकारी हैं। ये तीनों एक आतंकवादी गुट का हिस्सा हैं। मुझे संदेह है कि देश में ऐसे लोग हैं, जिन्हें प्रशिक्षण दिया जाता है, जिन्हें हथियार दिए जाते हैं और उनसे कहा जाता है कि उन्हें गोडसे के सपने को पूरा करना है।

देश भर में ईद-उल-फितर पर मस्जिदों में पढ़ी गयी नमाज, एक दूसरे को दी मुबारकबाद

-पुलिस व्यवस्था चुस्त- दुरुस्त, चप्पे-चप्पे पर ड्रोन कैमरों से रखी जा रही नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में आज ईद का त्योहार बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस मौके पर सभी मस्जिदों में ईद की नमाज अदा की गई। इस बीच, राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री समेत तमाम मुख्यमंत्रियों और राज्यपालों ने देश की जनता को ईद की मुबारकबाद दी है। देश में सुरक्षा व्यवस्था भी मजबूत है। हर जगह ड्रोन कैमरों से सुरक्षा में जुटे जवानों द्वारा निगाह रखी जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक ट्वीट में कहा, ''ईद-उल-फितर की बधाई। हमारे समाज में सद्भाव और करुणा की भावना आगे बढ़े। मैं सभी के अच्छे स्वास्थ्य और कुशलक्षेम के लिए भी प्रार्थना करता हूं। ईद मुबारक। वहीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ईद-उल-फितर पर लोगों को बधाई दी और सभी से इस अवसर पर समाज में भाईचारे तथा सद्भाव को बढ़ावा देने का संकल्प लेने का आग्रह किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि यह त्योहार सद्भाव की भावना से ओत-प्रोत है और हमें एक शांतिपूर्ण एवं समृद्ध समाज बनाने के लिए प्रेरित करता है। पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने भी हर साल की तरह ईद के अवसर पर अपने निवास पर ईद मिलन समारोह का आयोजन किया और सभी को इस पर्व की बधाई दी।

दूसरी ओर कोलकाता में रेड रोड पर ईद-उल-फितर के मौके पर नमाज अदा कर रहे लोगों के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पहुंचे। इस दौरान ममता बनर्जी ने कहा कि हम बंगाल में शांति चाहते हैं। हम दंगे नहीं चाहते। हम देश के टुकड़े नहीं करना चाहते। जो देश के टुकड़े करना चाहते हैं- मैं आज ईद पर वादा करती हूं कि मैं अपनी जान देने को तैयार हूं लेकिन मैं देश को बांटने नहीं दूंगी। वहीं टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि न खुदा, न अल्लाह, न भगवान बुरा है, अगर बुरा है तो इंसान में बंटवारा करने वाला शैतान बुरा है। उन्होंने कहा कि मेरे, आपके रगों में जो खून है उसका मजहब क्या है? उसका मजहब इंसानियत है। जो लोग यहां रहने के लिए सर्टिफिकेट मांगते हैं, मैं उनको कहूंगा कि वह पहले अपना सर्टिफिकेट दिखाएं फिर देशवासियों से सर्टिफिकेट मांगें।

दूसरी ओर, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तो सुबह सुबह गांधी मैदान पहुँच गये थे जहां उन्होंने नमाजियों को ईद की बधाई दी। इस बीच, उत्तर प्रदेश पुलिस ने कहा है कि सभी लोग अमन और सुकून से नमाज पढ़ रहे हैं। पुलिस व्यवस्था चुस्त दुरुस्त है। ड्रोन कैमरों से चप्पे-चप्पे पर निगरानी की जा रही है। पुलिस ने कहा है कि हम जनता को आश्वस्त कर रहे हैं कि अच्छे माहौल में ईद मनाई जाएगी। उधर, दिल्ली में भी ईद-उल-फितर के मौके पर लोगों ने जामा मस्जिद में नमाज अदा की।

भगवंत मान सरकार की गले की हड्डी बने मुख्तार अंसारी पर खर्च किए गए 55 लाख

– कई विभागों के चक्कर लगा चुकी है कानूनी फीस से संबंधित फाइल

चंडीगढ़ (एजेंसी)। माफिया डॉन मुख्तार अंसारी को पंजाब की जेल में ही रखे जाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में चली कानूनी लड़ाई के लिए पंजाब सरकार ने वरिष्ठ वकील दुष्यंत दवे को अपनी पैरवी के लिए लगाया था। अब उनकी 55 लाख रुपए की फीस का बिल मुख्यमंत्री भगवंत मान की सरकार की गले की हड्डी बन गया है। एक रिपोर्ट में बताया गया कि हाल ही में भगवंत मान के पास पहुंचने से पहले दुष्यंत दवे की कानूनी फीस से संबंधित फाइल कई विभागों के चक्कर लगा चुकी है, मगर किसी ने उसे पास नहीं किया। मान ने खुद पिछली कांग्रेस सरकार पर रोपड़ जेल में उत्तर प्रदेश के गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी को वीआईपी सुविधाएं देने का आरोप लगाया। पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा कि उस समय के मंत्रियों से कानूनी फीस के 55 लाख रुपए की वसूली के लिए कानूनी राय मांगी गई है। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के कार्यकाल में कानूनी फीस की फाइल तत्कालीन एडवोकेट जनरल डीएस पटवालिया के ऑफिस से सचिव (जेल) डीके तिवारी के पास चली गई थी। इसे तत्कालीन उपमुख्यमंत्री और जेल मंत्री सुखजिंदर रंधावा को भी भेजा गया था। फिर इसे तत्कालीन मुख्य सचिव अनिरुद्ध तिवारी के कार्यालय के साथ-साथ केएपी सिन्हा के तहत वित्त विभाग को भी भेजा गया था। हालांकि किसी ने भी फाइल को मंजूरी देने का फैसला नहीं लिया। आखिरकार पिछले साल 31 जनवरी को इस फाइल को अधीक्षक जेल को भेज दिया गया। 8 जनवरी को आदर्श आचार संहिता लागू होने के हफ्तों बाद इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। बहरहाल सुप्रीम कोर्ट में पंजाब सरकार का प्रतिनिधित्व करने के लिए दवे को शामिल करने की मंजूरी पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने 1 जनवरी, 2021 को दी थी।

चट्टान टूटने से बद्रीनाथ नेशनल हाइवे फिर बंद, जगह-जगह फंसे यात्री

जोशीमठ (एजेंसी)। उत्तराखंड में गंगोत्री और युमनोत्री धामों के कपाट 22 अप्रैल को खुलने के साथ ही यात्रा की शुरुआत हो गई, लेकिन, यात्रा शुरू होने से पहले बद्रीनाथ नेशनल हाईवे बिरही में चट्टान टूटने के कारण शनिवार सुबह बंद हो गया, जबकि गंगोत्री-यमुनोत्री हाईवे शुक्रवार को भी कई घंटों तक बंद रहा था। ऐसे में दिल्ली-एनसीआर, यूपी, एमपी सहित देश-विदेश से उत्तराखंड चार धाम यात्रा पर जाने वाले तीर्थ यात्रियों को सलाह दी जाती है कि चार धाम यात्रा पर जाने से हाइवे, मौसम सहित अन्य जरूरी जानकारी जुटाने के बाद ही यात्रा पर जाएं। देर शाम हाइवे बंद होने पर तीर्थ यात्रियों की रात सड़कों पर भी गुजर सकती है। बद्रीनाथ हाइवे के बंद होने के बाद जगह-जगह यात्री फंस गए।

यात्री जोशीमठ से ऋषिकेश और ऋषिकेश से जोशीमठ नहीं जा पा रहे थे। पहाड़ी से भारी तादाद में बोल्डर और मलबा टूटकर लगातार बद्रीनाथ नेशनल हाइवे पर गिर रहा है। बोल्डर और मलबा गिरने से लोग दहशत में आ गए थे, लेकिन राहत भरी बात यह रही कि कोई भी हादसा नहीं हुआ। बोल्डर और मलबा गिरने से करीब-करीब तीन घंटे तक हाईवे बंद रह। राहत की बात रही कि प्रशासन और बीआरओ की टीम ने कड़ी मेहनत के बाद हाइवे को खोल दिया है।

विदित हो कि पिछले तीन दिनों में बद्रीनाथ हाइवे कई बार बंद और खुला है। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम आज अक्षय तृतीय के दिन 22 अप्रैल को खुल गए, जबकि, केदारनाथ धाम 25 अप्रैल और बदरीनाथ धाम 27 अप्रैल को खुल रहे हैं। उत्तरकाशी जिले में खराब मौसम के चलते शुक्रवार को तड़के गंगोत्री हाईवे हेलगूगाड़ तथा यमुनोत्री हाईवे किसाला के पास मलबा आने से बंद हो गए थे। गंगोत्री हाईवे पर हेलगूगाड के समीप सुबह पौने आठ बजे तक बहाल हो गया था, लेकिन यमुनोत्री हाईवे किसाला के समीप दिनभर बंद रहा। मार्ग यातायात के लिए सुचारु कर दिया गया। हाईवे बंद रहने से

विश्वनाथ मंदिर में डोली का जोरदार स्वागत किया गया। डोली दूसरे पड़ाव में शनिवार को फाटा पहुंचेगी। जबकि 23 अप्रैल को गौरीकुंड और 24 अप्रैल को केदारनाथ धाम पहुंचेगी जहां 25 अप्रैल को सुबह 6:20 मिनट पर बाबा केदार के कपाट देश-विदेश के भक्तों के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे।

अपनी मनचाही दलील के साथ अदालत नहीं जा सकते पक्षकार: सुप्रीम कोर्ट

नई दिलली (एजेंसी)। (ईएमएस)। पक्षकार अपनी मनचाही दलील के साथ अदालत में नहीं जा सकते है। यह कहते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अभिनव भारत कांग्रेस की याचिका खारिज कर दी है। इसके साथ ही उस पर जुर्माना भी लगाया गया है। उच्चतम न्यायालय ने उस याचिका को 25,000 रुपये के जुर्माने के साथ खारिज कर दिया, जिसमें महात्मा गांधी की हत्या में भूमिका के लिए नवंबर 1949 में फांसी पर लटकाए गए नारायण डी आप्टे के एक रिश्तेदार को सार्वजनिक माफी जारी करने के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग की गई थी। याचिका में एक कानून की संवैधानिक वैधता को भी चुनौती दी गई है, जिसने एक विशेष न्यायाधीश को एक अभियुक्त को क्षमादान देने के लिए कार्योत्तर शक्तियां प्रदान की थीं, जिसमें कहा गया था कि गांधी हत्याकांड में विनायक दामोदर सावरकर को गलत तरीके से फंसाने के लिए इसका इस्तेमाल किया गया था।

पीठ ने अभिनव भारत कांग्रेस द्वारा इसके संस्थापक अध्यक्ष पंकज के फडनीस के माध्यम से दायर याचिका में की गई प्रार्थनाओं में से एक का भी उल्लेख किया, जिसमें कहा गया था कि सावरकर के साथ हुए अन्याय का आंशिक प्रायश्चित करने के लिए केंद्र को एक अधिकार प्राप्त समिति बनाने का निर्देश दिया जा सकता है। इस सपर शीर्ष अदालत ने कहा, आप इस तरह से हमारा समय बर्बाद नहीं कर सकते हैं। बिना किसी चीज के इस अदालत में चलने की आदत, हम इसकी अनुमति नहीं देंगे।

वकील ने कहा कि याचिका नाथूराम गोडसे या सावरकर के लिए नहीं है और यह केवल आप्टे के लिए है। पीठ ने वकीलों के कल्याण कोष में 25,000 रुपये के जुर्माने के साथ याचिका खारिज कर दी। याचिका में बॉम्बे पब्लिक सिक्योरिटी मेजर्स (दिल्ली संशोधन) अधिनियम, 1948 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई थी, जिसने 1947 के बॉम्बे अधिनियम 6 की धारा 13 में उप-धारा 2 (ए) को पेश करके संशोधन किया था।

कानून बनाकर जनसंख्या नियंत्रण नहीं हो सकता : स्वामी

पटना । पूर्व केंद्रीय मंत्री सुब्रमण्यम स्वामी ने पटना में एक कार्यक्रम में उत्तरप्रदेश की कानून व्यवस्था में सुधार का दावा किया। जनसंख्या नियंत्रण के लिए कानून बनाने की जरूरत को नकारते हुए कहा कि अगर देश में आर्थिक प्रगति होगी, तब जनसंख्या पर खुद नियंत्रण हो जाएगा। इस दौरान उन्होंने माफिया अतीक अहमद की हत्या को लेकर भी जवाब दिए। स्वामी से पत्रकारों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विपक्षी दलों की ओर से प्रधानमंत्री उम्मीदवार बनने को लेकर सवाल किया तब उन्होंने कहा कि यह अच्छी बात है। वे मेरे अच्छे मित्र हैं। नीतीश जेपी मूवमेंट के समय से ही हमारे मित्र हैं। नीतीश 2024 में प्रधानमंत्री को टक्कर देने के संबंध में पूछने पर उन्होंने कहा कि नीतिश ने ऐसा कभी नहीं कहा। उन्होंने हालांकि यह भी कहा कि मैं आज जब उनसे मिलूंगा, तब जरूर इस बारे में पूछ लूंगा। जनसंख्या नियंत्रण के लिए कानून बनने के संबंध में पूछने पर उन्होंने कहा कि इसकी कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि 50 साल पहले जिस रफ्तार से जसंख्या बढ रही थी, उसमें कमी आई है। उन्होंने कहा कि आर्थिक प्रगति से ये अपने आप कम होती जाती है। जनसंख्या को कम करने के लिए आर्थिक प्रगति को 10 फीसदी प्रति वर्ष करनी चाहिए जिससे जनसंख्या वृद्धि में कमी आएगी। उन्होंने कहा कि कोई सरकार इस नहीं कर सकती है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी इसके लिए कठोर प्रयास किए थे उनकी हालत क्या हो गई। उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति में सुधार होने की बात करते हुए कहा कि अतीक अहमद की हत्या कर दी गई। इस मामले की अब जांच हो रही है।

हनी ट्रैप के जरिए नशे का शिकार हो रहे हैं युवा

-देश भर में फैला नशे का कारोबार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में बड़े शहरों से होते हुए छोटे शहरों और गांवों तक नशीले पदार्थ बेचने का धंधा, बड़ी जोर शोर से फल फूल रहा है। शहरों में नशे के कारोबारी हनी ट्रैप के माध्यम से युवाओं को फंसाकर नशे का आदी बना रहे हैं। इसके लिए तस्कर और अपराधिक गतिविधियों से जुड़े अपराधी, बड़े और मध्यम वर्ग परिवारों के लड़के और लड़कियों को नशे का आदी बना रहे हैं। नशे का कारोबार बढ़ाने के लिए लड़के लड़कियों की एक दूसरे से दोस्ती कराने और नशे की लत लगाने का सुनियोजित अपराधिक कारोबार कर रहे हैं। युवतियों के साथ दोस्ती करने के चक्कर में युवा बड़ी जल्दी नशे का शिकार हो जाते हैं। होटल, स्कूल, कॉलेज, तथा भीड़ वाले स्थान में हनी ट्रैप के माध्यम से नशीले पदार्थों का कारोबार बडी तेजी के साथ फल फूल रहा है। बड़े एवं मध्यम वर्ग के किशोरों से युवतियां दोस्ती करती हैं। उनके सामने स्वयं नशा करती हैं। उन्हें भी नशे के लिए उकसाती हैं। धीरे-धीरे युवा नशे के शिकार हो जाते हैं। नशा बेचने वाले मनमानी कीमत पर उन्हें नशा बेचकर उनका आर्थिक एवं शारीरिक शोषण करते हैं। उनके माध्यम से नशे के कारोबार को और भी आगे बढ़ाते हैं।

सामाजिक न्याय विभाग और पुलिस को जो जानकारी प्राप्त हो रही है। उसके अनुसार नशीले पदार्थों के कारोबार करने वाले गिरोह हनी ट्रैप के जरिए नशीले पदार्थों का कारोबार बड़ी तेजी के साथ देश भर में फैला रहे हैं।

सामाजिक न्याय विभाग ने देशभर के सभी पुलिस अधिकारियों को नशे के कारोबार को रोकने के लिए, और नशे के शिकार युवाओं को सहायता करने के लिए निर्देशित किया है। देशभर के सभी पुलिस थानों को थाने वार सूची तैयार करने का निर्देश दिया है। जिसमें नशीले व्यापार का कारोबार करने वाले तस्कर,,हनी ट्रैप से जुड़ी युवतियों और नशे की गिरफ्त में आए हुए युवा और युवतियों की सही तरीके से पहचान हो सके। नशे के कारोबार को नियंत्रित करने के निर्देश भी पुलिस को दिए गए हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)